मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 7 अंक 281
रविवार, 04 मई 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

आतंकवाद और उसके समर्थकों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करने के लिए भारत प्रतिबद्धः पीएम मोदी

हैदराबाद, 03 मई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हैदराबाद हाउस में अंगोला के राष्ट्रपति जोआओ मैनुअल गोंकाल्वेस लौरेंको के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इसके बाद मीडिया को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मैं राष्ट्रपति लौरेंको और उनके प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करता हूं। यह एक ऐतिहासिक क्षण है। 38 साल बाद अंगोला के राष्ट्रपति भारत आए हैं। उनकी यात्रा न केवल भारत और अंगोला के बीच संबंधों को एक नई दिशा देने वाली है, बल्कि भारत-अफ्रीका संबंधों को भी मजबूत करने वाली है।

मोदी ने कहा कि भारत और अंगोला अपने राजनीतिक संबंधों की 40वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। जब अंगोला अपनी आजादी के लिए लड़ रहा था, तब भारत उसके साथ खड़ा था। आज हम विभिन्न क्षेत्रों में साझेदार हैं। भारत तेल और गैस के सबसे बड़े खरीदारों में से एक है। हमने अपने ऊर्जा संबंधों को मजबूत करने का फैसला किया है। मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि हम अंगोला की सशस्त्र सेनाओं के आधुनिकीकरण के लिए 200 मिलियन डॉलर की रक्षा ऋण सहायता प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि हम अंगोला के सशस्त्र बलों के प्रशिक्षण में सहायता करके खुश होंगे। अपनी विकास साझेदारी को आगे बढ़ाते हुए, हम डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और क्षमता निर्माण में अंगोला के साथ अपनी क्षमताओं को साझा करेंगे। आज, हमने स्वास्थ्य सेवा, हीरा प्रसंस्करण, उर्वरक और महत्वपूर्ण खनिजों में अपने संबंधों को और मजबूत करने का भी निर्णय लिया है। अंगोला में योग और बॉलीवुड की लोकप्रियता हमारे सांस्कृतिक संबंधों की मजबूती का प्रतीक है। अपने लोगों से लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करने के लिए, हमने अपने युवाओं के बीच युवा विनिमय कार्यक्रम शुरू करने का निर्णय लिया है।

इसी दौरान नरेन्द्र मोदी ने कहा कि हम इस बात पर एकमत हैं कि आतंकवाद मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा है। मैं पहलगाम में आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त करने के लिए राष्ट्रपति लौरेंको और अंगोला को धन्यवाद देता हूं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हम आतंकवादियों और उनका समर्थन करने वालों के खिलाफ ठोस और निर्णायक कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमने सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई में अंगोला के समर्थन के लिए उनका आभार व्यक्त किया।

आरबीआई ने आईसीआईसीआई बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, दो अन्य बैंकों पर जुर्माना लगाया

नई दिल्ली, 03 मई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को कहा कि उसने नियामक अनुपालन में कमियों के लिए आईसीआईसीआई बैंक और बैंक ऑफ बड़ौदा सहित चार बैंकों पर जुमार्ना लगाया है।

आरबीआई ने बैंकों में साइबर सुरक्षा ढांचे, अपने ग्राहक को जानो (केवाईसी) और क्रेडिट कार्ड तथा डेबिट कार्ड जारी करने से संबंधित कुछ निदेशों का पालन न करने के लिए आईसीआईसीआई बैंक पर 97.80 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया है।

इसके अलावा केंद्रीय बैंक ने कुछ अनुपालन खामियों के चलते आईडीबीआई बैंक लिमिटेड पर 31.8 लाख रुपये और बैंक ऑफ महाराष्ट्र पर 31.80 लाख रुपये का जुमार्ना भी लगाया है।

आरबीआई ने कहा कि सभी मामलों में जुमार्ना नियामक अनुपालन में कमियों के चलते लगाया गया है और इसका बैंकों के अपने ग्राहकों के साथ किसी भी लेनदेन या समझौते की वैधता से कोई संबंध नहीं है।

अब नहीं चलेगी प्राइवेट स्कूलों की मनमानी, दिल्ली कैबिनेट ने स्कूल फीस एक्ट को दी मंजूरी

नई दिल्ल, 03 मई। दिल्ली कैबिनेट द्वारा सभी निजी स्कूलों की फीस वृद्धि को नियंत्रित करने के लिए स्कूल फीस एक्ट को मंजूरी दे दी गई है। इसके बाद सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि इस एक्ट के जरिए सभी 1677 स्कूलों की फीस पारदर्शी तरीके से नियंत्रित की जाएगी। पिछली सरकारों के कार्यकाल में लगातार फीस में बढ़ोतरी होती रही है। पहली बार किसी सरकार ने यह एक्ट बनाया है। उन्होंने दावा किया कि जल्द ही ऐसा समय आएगा जब दिल्ली सरकार इतनी व्यवस्थित हो जाएगी कि लोग अपने बच्चों को निजी स्कूलों की बजाय सरकारी स्कूलों में भेजने के लिए मजबूर हो जाएंगे। हम जल्द ही सदन बुलाकर एक्ट पर मुहर लगाकर इसे दिल्ली की जनता को सौंप देंगे।

मंत्री आशीष सूद ने कहा कि आप सरकार से अलग हमारी सरकार ने उन रास्तों को बंद कर दिया है, जिनके जरिए बच्चों को लूट का माध्यम बनाया जाता था। पिछली सरकार भी ऐसा कर सकती थी, लेकिन अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए उन्होंने छात्रों पर दबाव बनाकर स्कूलों द्वारा वसूली गई रकम का अंडर टेबल सेटलमेंट किया। उन्होंने कहा कि 27 सालों तक हर साल फीस में लगातार बढ़ोतरी होती रही। हमारी सरकार ने डीएम कमेटी भेजी, जिसके बाद कोर्ट ने पहली बार डीपीएस को फटकार लगाई। हमारा एकमात्र उद्देश्य है कि छात्रों का मानसिक उत्पीड़न बंद हो।

दिल्ली विधानसभा में पेश और पारित होने के बाद, अधिनियम कानून बन जाएगा और निजी स्कूलों की फीस संरचनाओं पर सख्त नियम लागू करेगा। अभी तक दिल्ली में निजी स्कूलों द्वारा फीस निर्धारित करने या बढ़ाने के तरीके को विनियमित करने के लिए कोई कानून नहीं था। ऐसे कानून की कमी के कारण फीस वृद्धि अनियंत्रित हो गई, जिससे कई परिवारों में परेशानी पैदा हो गई। हाल ही में स्वीकृत दिल्ली स्कूल फीस अधिनियम अभिभावकों के लिए एक बड़ी राहत के रूप में आया है, जिसका उद्देश्य निजी संस्थानों द्वारा मनमानी और अत्यधिक फीस वृद्धि को रोकना है।

निर्मला सीतारमण ने जातिगत गणना का श्रेय लेने पर तमिलनाडु सरकार को घेरा

नई दिल्ली, 03 मई। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार के इस दावे को खारिज कर दिया कि जनगणना में जातिगत गणना को शामिल करने का केंद्र का निर्णय कड़े परिश्रम से हासिल जीत है।

साथ ही सीतारमण ने इस कदम का राजनीतिक लाभ उठाने का प्रयास करने के लिए तमिलनाडु की सत्तारूढ़ पार्टी की आलोचना की। सीतारमण ने शुक्रवार को यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने जातिगत गणना को मंजूरी दे दी है और इस अभ्यास के जरिए जुटाए जाने वाले आंकड़ों से सरकार समाज के गरीब और हाशिए पर पड़े वर्गों की बेहतर मदद कर सकेगी।

वित्त मंत्री ने द्रमुक शासन में राज्य के एक गांव में हुई एक घटना का भी हवाला दिया, जहां कथित तौर पर पेयजल में मानव मल-मूत्र मिला हुआ पाया गया था। सीतारमण ने कहा, उनका (द्रमुक) कहना है कि उत्तर भारत के कुछ राज्य पिछड़े हुए हैं लेकिन ऐसे राज्यों में भी इस तरह की घटनाएं नहीं हुई हैं। इसलिए, द्रमुक के इस तर्क में कोई दम नहीं है कि आगामी जनगणना में जातिगत गणना को शामिल करने का केंद्र का फैसले उनकी जीत है।

दिसंबर 2022 में पुडुकोट्टई जिले के वेंगाइवायल गांव में अनुसूचित जाति के आवासीय इलाके में एक पानी की टंकी में कथित तौर पर मानव मल-मूत्र मिला पाया गया था। स्टालिन ने हाल में कहा था कि आगामी जनगणना अभ्यास में जातिगत गणना को शामिल करने का केंद्र का फैसला उनकी पार्टी और तमिलनाडु सरकार के लिए कड़े परिश्रम से हासिल जीत है।

द्रमुक पर हमला जारी रखते हुए सीतारमण ने कहा कि आज भी तमिलनाडु में दुकानों के बोर्ड पर मालिकों के समुदाय के नाम लिखे होते हैं। उन्होंने कहा, इस पर कोई राजनीतिक टिप्पणी करने के बजाय मैं ईमानदारी से चाहती हूं कि हमें इस बात पर चर्चा करनी चाहिए कि हम उन लोगों की कैसे मदद कर सकते हैं जो गरीब और दलित हैं।

इस आरोप का जवाब देते हुए कि केंद्र सरकार केवल कॉरपोरेट्स के पक्ष में काम कर रही है, उन्होंने स्पष्ट रूप से इसका खंडन किया और कहा कि अगर किसी राज्य सरकार को निवेश प्रस्ताव मिले हैं तो क्या इसका मतलब यह है कि वह पक्षपात कर रही है।

उन्होंने कहा, केंद्र किसी भी कॉर्पोरेट का पक्ष नहीं ले रहा है। दूसरी बात आज प्रधानमंत्री (नरेन्द्र मोदी) ने विड़िग्गम बंदरगाह का उद्घाटन किया। लेकिन, इसे ओमन चांडी (दिवंगत) नीत पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने औपचारिक रूप से अदाणी समूह को सौंप दिया था। द्रमुक के इस दावे के बारे में पूछे जाने पर कि केंद्र राज्य को धन नहीं दे रहा है, सीतारमण ने कहा, मैं जब भी यहां आती हूं तो तमिलनाडु को कितना धन आवंटित किया गया है इसका आंकड़ा साझा करती हूं। लेकिन वे (तमिलनाडु सरकार) इस तरह की टिप्पणी (कि केंद्र ने कोई धन जारी नहीं किया) करते रहे हैं।

जमीन से लेकर आसमान तक अंगोला की मदद करेगा भारत

सेना के आधुनिकीकरण के लिए 20 करोड़ डॉलर देने का ऐलान

नई दिल्ली, 03 मई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को अंगोला के राष्ट्रपति जोआओ मैनुअल गोंकाल्वेस लौरेंको का भारत में स्वागत किया। 38 वर्षों में यह उनकी पहली भारत यात्रा थी। इस यात्रा के दौरान उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों को गहरा करने और सभी क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की नई प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। राजनयिक संबंधों के 40 वर्ष पूरे होने पर, प्रधानमंत्री मोदी ने दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक एकजुटता की सराहना की और ऊर्जा, रक्षा, डिजिटल बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य सेवा और सांस्कृतिक आदान-प्रदान में भविष्य के सहयोग के लिए एक रोडमैप की रूपरेखा तैयार की।

अंगोला के राष्ट्रपति की भारत की राजकीय यात्रा पर बोलते हुए, सचिव (आर्थिक संबंध), दम्मू रवि ने कहा कि अंगोला के राष्ट्रपति जोआओ लौरेंको कल से शुरू हुए राजकीय दौरे पर हैं और कल समाप्त होंगे। राष्ट्रपति भवन में उनका औपचारिक स्वागत किया गया। हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता हुई जिसमें द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। आज शाम को राष्ट्रपति द्वारा भोज का आयोजन किया जाएगा।

उन्होंने आगे कहा कि यह पहली बार है कि 38 वर्षों के बाद दोनों पक्षों की ओर से कोई यात्रा हो रही है। अंगोला अफ्रीकी संघ की अध्यक्षता करता है, जो भारत-अफ्रीका साझेदारी के संदर्भ में हमारे लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण क्षेत्र है। दोनों पक्षों के प्रतिनिधिमंडल ने संबंधों के व्यापक दायरे को कवर किया। बैठक के दौरान, राष्ट्रपति लौरेंको ने जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में हुए जघन्य आतंकवादी कृत्य की निंदा की और इसकी निंदा की, सीमा पार आतंकवाद सहित सभी रूपों में आतंकवाद से निपटने में भारत के साथ एकजुटता व्यक्त की।

दम्मू रवि ने बताया कि रक्षा सहयोग का एक अन्य क्षेत्र है। प्रधानमंत्री ने अंगोला को रक्षा क्षेत्र में 200 मिलियन डॉलर मूल्य की ऋण सहायता की पेशकश की है। यह भारतीय रुपये में होगी।

अरुणोदय सर्जिकल एण्ड ट्रामा सेन्टर

ARUNODAYA Surgical & Trauma Center

जनरल सर्जरी
स्त्री एवं प्रसूति रोग
आर्थोपेडिक (सर्जरी एवं परामर्श)
कीमोथिरैपी सुविधा उपलब्ध
न्यूरो सर्जरी (परामर्श एवं सर्जरी)

वेन्टिलेटर एवं डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध
प्रशिक्षित डाक्टर स्टाफ तथा सभी मानकों पर खरा उतरने वाला जनपद का एक मात्र हास्पिटल
दूरबीन विधि द्वारा सभी प्रकार की सर्जरी
जनरल मेडिसिन, मधुमेह रोग

गुर्या एवं मूत्र रोग (सर्जरी एवं परामर्श)
गैस्ट्रोइन्टरोलॉजी (इण्डोस्कोपी एवं कालोनोस्कोपी)
एक्सीडेण्टल एवं ट्रामा इमरजेन्सी
सेवा 24 घण्टे उपलब्ध

डा. अरूण आर. सिंह
कन्सल्टेन्ट लैप्रोस्कोपिक सर्जन
एस.एम.ओ.) एल.टी.एम.एम. जी. एच. (सायन हॉस्पिटल मुम्बई)
स.आर.) एम. जी.एम. मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल (नवी मुम्बई)
रजि.नं.-82945 (यू.पी.एम.सी.)

डा0 पुनीत सिंह
M.S.M.C.H.
गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ (यूरो सर्जन)

डा0 रवि प्रकाश सिंह
M.S. (Ortho)
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ

डा0 प्रभात सिंह
M.D.(Medicine)
कंसल्टेंट फिजिशियन

डा0 सुमित कुमार सिंह
M.D.(Neuro Psychiatrist)
मानसिक रोग विशेषज्ञ

24/7 Emergency Services

बीमा कार्ड धारकों के लिए विशेष सुविधा उपलब्ध
Medi Assist STAR
आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क इलाज की सुविधाएं
8090966086,8090015086
कलीचाबाद, जौनपुर

हरियाणा सरकार जल मुद्दे पर शीर्ष अदालत का रुख कर सकती है: सिंचाई मंत्री

नई दिल्ली। हरियाणा की सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री श्रुति चौधरी ने शुक्रवार को कहा कि राज्य सरकार पंजाब के साथ जल बंटवारे को लेकर हुए ताजा विवाद के सिलसिले में उच्चतम न्यायालय का रुख कर सकती है।

चौधरी ने कहा कि भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) साझेदार राज्यों के लिए पानी का आवंटन करता है और पंजाब को इस पर आपत्ति नहीं उठानी चाहिए। उन्होंने पंजाब की भगवंत मान सरकार पर इस मुद्दे का राजनीतिकरण करने का भी आरोप लगाया।

चौधरी ने कहा, हमने मामले को बढ़ने नहीं देने का प्रयास किया था। लेकिन मान ने इसे राजनीतिक रंग दे दिया। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार राज्य के वैध हिस्से की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

जरूरतमंद सीनियर सिटिजन के बेहतर देख-भाल हेतु समर्पित संस्था

YASHOJYOTI FOUNDATION'S
(MAHA/1211/2013/THANE)

ज्योति ओल्ड एज होम
JYOTI OLD AGE HOME

WE SERVICE FOR HUMANITY

Home For Aged, Senior Citizans, Pentioners Paralysis,

Dr. Jyoti MD (AM)

• Diabetic, Bed Ridden Patients.,• Paralysis, Alzheimer's dementia, post operative, palliative care schizophrenia, Treatement if needed., • Food Will Be Served Breakfast Lunch, Supple Dinner. (Veg & Non Veg), • Entertainment: Tv, Tape, News Paper, Indoor Games, Ample Place For Walking, Yoga., • 24x7 Ward Boy, Aaya, Atendant To Take Care., • Doctor's visit every day., • Specialist (Psyciaric, Dentist, Cardiologyst, physcian) visit on c, • Ambulance service on call., •

CONTACT NO.- 9820674896/9664682587

Padmakar Mhatre Hospital, Opp. Kakad Paradise, Penkar Pada, Mira Road (E), Thane - 401 107.

कबाड़ से जुगाड़ के नवाचार की सौन्दर्यमयी चमक

-ललित गर्ग

कबाड़ से जुगाड़ सिर्फ.एक तरीका नहीं, बल्कि एक रचनात्मक दर्शन है जो संसाधनशीलता और नवाचार को बढ़ावा देता है। यह अपसाइकल की गई रचनाओं और सरल समाधानों के माध्यम से अपरंपरागत सोच की शक्ति का प्रमाण है। कबाड़ से जुगाड़ का दर्शन बेकार वस्तुओं को उपयोगी बनाने और संसाधनों का अधिकतम उपयोग करने पर जोर देता है। यह दर्शन हमें नए और रचनात्मक समाधान खोजने के लिए प्रेरित करता है, जो मौजूदा समस्याओं को हल करने में मदद करते हैं और इससे कचरे को कम करने और पर्यावरण को बचाने में मदद मिलती है। यह आत्मनिर्भरता का भी दर्शन है, जो हमें अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए खुद पर निर्भर रहने के लिए प्रोत्साहित करता है, यह दर्शन जटिल समस्याओं के लिए सरल और व्यावहारिक समाधान खोजने पर जोर देता है।

जुगाड़ एक बोलचाल का हिंदी शब्द है जिसका मतलब है अपरंपरागत, किफायती नवाचार। कबाड़ से बने म्यूरल, पार्क और अन्य कलाकृतियां कबाड़ से जुगाड़ के उपक्रम को दशार्ती हैं। कबाड़ से बनाए गए टेलीस्कोप, लेजर लाइट ब्लोइंग कार, वाटर प्यूरीफायर आदि कबाड़ से जुगाड़ के उदाहरण है। चंडीगढ़ का रॉक गार्डन, जुन्नारदेव जनपद पंचायत के बरेलीपार गांव के ग्रामीणों का कबाड से बना स्वच्छता पार्क एवं मेरठ का ह्यकबाड़ से जुगाड़ अभियान ऐसे विरल एवं अनुकरणीय उदाहरण हैं जो राष्ट्रीय फलक पर चमक रहे हैं। कबाड़ से जुगाड़ बेकार की वस्तुओं से उपयोगी वस्तुएं बनाने की एक प्रक्रिया है। कबाड़ से जुगाड़ ना केवल हमारे पर्यावरण के संरक्षण के लिए बहुत सहायक है बल्कि यह अनुपयोगी वस्तुओं के निपटान का भी एक सटीक उपाय है। इसके माध्यम से हम ऐसी अनुपयोगी वस्तुओं को फेंकने की जगह उनसे कुछ उपयोगी वस्तुएं बना सकते हैं। कबाड़ से जुगाड़ के माध्यम से देश की अर्थव्यवस्था को एक नया

आयाम दिया जा सकता है, जो.रचनात्मकता एवं सृजनात्मकता की दिशा में उठाया गया एक सार्थक कदम है। हम भारतवासी वैसे भी जुगाडू होते हैं जो अपना काम बनाने के लिए हर जगह कुछ ना कुछ जुगाड़ कर लेते हैं। यदि हम अपनी रचनात्मकता कबाड़ से जुगाड़ में लगाएं तो दिनों दिन बढ़ते जा रहे कचरे के निपटान में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। इससे प्लास्टिक एवं ई-कचरे में निरंतर कमी आती जाएगी और पर्यावरण संरक्षण भी बढ़ेगा। संसाधनों पर वह भी बोझ कम पड़ेगा।

मेरठ का कबाड़ से जुगाड़ अभियान अब राष्ट्रीय फलक तक चमका, एक सकारात्मक सोच एवं सृजन का अनूठा उदाहरण बन गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मन की बात के 93वें संस्करण में योगी आदित्यनाथ सरकार के इस प्रयास की काफी सराहना की। शहरों को संवारने के प्रदेश सरकार के सपनों को साकार करते हुए मेरठ नगर निगम ने निष्प्रयोज्य वस्तुओं से कम लागत में ही शहर की आभा में चार चांद लगा दिए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि यह प्रयास पर्यावरण की सुरक्षा और शहर के सुंदरीकरण से जुड़ा है। निष्प्रयोज्य वस्तुएं स्क्रैप, पुराने टायर, कबाड़, खराब ड्रम से भी कम खर्चे में कैसे शहर को संवारा जा सकता है, मेरठ इसकी बानगी है। कम खर्चे में सावर्जनिक स्थलों का सुंदरीकरण कैसे हो, यह अभियान इसकी मिसाल है। खराब पड़ी चीजों का प्रयोग कर शहर को सजाया गया। गांधी आश्रम चौराहा, गढ़ रोड पर लोहे के स्क्रैप, पुराने पहियों से फाउंटेन निर्मित कराया गया। सर्किट हाउस चौराहे पर लाइट ट्री, पुराने बेकार ड्रमों से स्ट्रीट इंस्टलेशन, हाथ ठेली के बेकार पहियों से बैरिकेडिंग कर मिनी व्हील पार्क, जेसीबी के पुराने टायरों से डिस्प्ले वॉल, पार्कों में बैठने के लिए स्टूल मेज आदि की व्यवस्था की गई। मेरठ नगर निगम ने शहर को चमकाने के लिए अनोखे प्रयोग किए, जो काफी सफल रहे। दरअसल नगर निगम में बने गोदाम में पड़े कबाड़ की न तो उचित कीमत मिल रही थी और न ही इसका सही उपयोग एवं निपटान हो रहा था, पर योगी सरकार की पहल पर नगर आयुक्त अमित पाल शर्मा ने शहर को जगमगाने का निर्णय लिया। लाइटिंग वाला कृत्रिम पेड़ भी न सिर्फ लोगों को आकर्षित कर रहा है, बल्कि शहर की खूबसूरती में चार चांद लगा रहा है। इसकी आभा देख लोग निहाल और अचंभित हो रहे हैं।

कबाड़ से जुगाड़ का मतलब है बेकार पड़ी चीजों से कुछ उपयोगी या रचनात्मक बनाना, जैसे कि कचरे से सुंदर सजावटी वस्तुएं, या बेकार प्लास्टिक से जूते-चप्पल बनाना। ग्रामीणों ने कबाड़ से एक सुंदर स्वच्छता पार्क बनाया, जिसमें सजावटी वस्तुएं, आरामदायक बैठने की व्यवस्था और स्वच्छता से संबंधित कलाकृतियाँ शामिल हैं। बच्चों को सिखाने के लिए कबाड़ के सामान से खिलौने बनाए जा सकते हैं, जैसे कि टेलीस्कोप, लेजर लाइट ब्लोइंग कार, रबर बैंड नाव, टेबल लैंप, वाटर प्यूरीफायर आदि। बेकार लकड़ी, प्लास्टिक और अन्य सामग्रियों से फर्नीचर बनाया जा सकता है, जैसे कि टेबल, कुर्सी, और अलमारी। कबाड़ से कलाकृतियाँ बनाई जा सकती हैं, जैसे कि पेंटिंग, मूर्तिकला, और सजावटी वस्तुएं। पुराने कपड़ों से नए कपड़े या बैग बनाए जा सकते हैं। कबाड़ से खाद और अन्य उपयोगी चीजें बनाई जा सकती हैं, जो खेती के लिए उपयोगी हो सकती हैं। जयपुर फुट, यह एक कृत्रिम अंग है जो कम लागत में बनाया जाता है और यह जुगाड़ मानसिकता का एक बेहतरीन उदाहरण है। प्लास्टिक के कबाड़ को रिसाइकल करके उपयोगी चीजें बनाई जा सकती हैं, जैसे कि प्लास्टिक दाना जो फुटवियर फैक्ट्रियों में इस्तेमाल होता है। कबाड़ से विभिन्न उपकरण बनाए जा सकते हैं, जैसे कि पानी फिल्टर, यांत्रिक उपकरण आदि। कबाड़ से सजावटी वस्तुएं बनाई जा सकती हैं, जैसे कि विंड चाइम, फोटो फ्रेम, फूलों के गमले, आदि। जो सामान घर में उपयोग ना हो तो वह कबाड़ में तब्दील हो जाता है। इसके बाद उसे ऐसे ही बाहर फेंक दिया जाता है। अगर यही कबाड़ आपकी सेहत बनाने का काम करने के साथ ही गांव और शहर की सुंदरता में चार चांद लगा दे तो यह अपने आपमें चर्चा एवं अनुकरणीय उदाहरण बन जाता है। कुछ ऐसा ही किया है आदिवासी ग्राम पंचायत बरेलीपार के लोगों ने, खेतों में उपयोग होने वाले औजारों सहित घर की खराब वस्तुओं का उपयोग कर ग्रामीणों ने ऐसा काम किया कि जो भी देखता है तो दंग रह जाता है। कबाड़ से ग्रामीणों ने स्वच्छता पार्क बनाने के साथ ही हेलीकॉप्टर तक बना दिया। कबाड़ के जुगाड़ से ग्रामीणों ने सुंदर पार्क का निर्माण किया तो लोगों की सेहत बनाने में भी कारगर साबित हो रहा है।

आज दुनिया के सामने कई तरह की चुनौतियां हैं, जिसमें से ई-वेस्ट एक नई उभरती विकराल एवं विध्वंसक समस्या भी है। दुनिया में हर साल 3 से 5 करोड़ टन ई-वेस्ट पैदा हो रहा है। ग्लोबल ई-वेस्ट मॉनिटर के मुताबिक भारत सालाना करीब 20 लाख टन ई-वेस्ट पैदा करता है और अमेरिका, चीन, जापान और जर्मनी के बाद ई-वेस्ट उत्पादक देशों में 5वें स्थान पर है। दुनिया डिजिटल अर्थव्यवस्थाओं की ओर तेजी से बढ़ रही है, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी आधारित सेवाएं एवं इलेक्ट्रोनिक क्रांति ने लोगों के जीवन को आसान बना दिया है, लेकिन अर्थव्यवस्था एवं जीवन का डिजिटल अवतार इलेक्ट्रोनिक कचरे की शक्ल में एक नयी चुनौती एवं जटिल समस्या को लेकर आया है। घरों में इस्लेमाल होनेवाले कूलर, वाशिंग मशीन, एयर कंडीशनर जैसी वस्तुओं के अलावा कार्यालय में लैपटॉप, कम्पयूटर, मोबाइल, डिजिटल घड़ी, टीवी तय समय के बाद ई-कचरे में परिवर्तित हो जाते हैं। इस ई-कचरे का निपटान बड़ी समस्या है। इसी क्रम में पूर्व दिल्ली सरकार ने घोषणा की थी कि दिल्ली में भारत का पहला ई-कचरा इको-पार्क खोला जायेगा। 20 एकड़ में बनने वाले इस पार्क में बैटरी, इलेक्ट्रॉनिक सामान, लैपटॉप, चार्जर, मोबाइल और पीसी से अनूठे एवं दर्शनीय चीजों को निर्मित किया जायेगा। इसी कड़ी में कानपुर में ई-वेस्ट प्रबंधन का एक बेहतरीन मॉडल सामने आया है। यहां जयपुर के एक कलाकार ने ई-वेस्ट से 10 फीट लंबी मूर्ति बनाई है। इसे बनाने में 250 डेस्कटॉप और 200 मदरबोर्ड, केबल और ऐसी अनेक खराब इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं का इस्तेमाल किया गया है।

क्या है पंजाब और हरियाणा के बीच विवाद का मामला?

अशोक भाटिया

पंजाब और हरियाणा के बीच पानी को लेकर ताजा टकराव चल रहा है यह विवाद तब पैदा हुआ जब हरियाणा ने 23 अप्रैल को एक बैठक के दौरान भाखड़ा बांध से 8500 क्यूसेक पानी मांगा। हरियाणा को फिलहाल रोजाना 4000 क्यूसेक पानी मिल रहा है, लेकिन अब उसने 8500 क्यूसेक पानी मांगा है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि उन्होंने बाद में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान को फोन करके हरियाणा की पेयजल जरूरतों का हवाला दिया। हालांकि, मान ने कहा कि पहले से ही जल संकट से जूझ रहे पंजाब के पास एक बूंद भी पानी नहीं है। यह तनाव भाखड़ा नांगल बांध से पानी की आपूर्ति में हालिया कटौती को लेकर बढ़ गया है। इस पानी विवाद के संघर्ष की जड़ें 1966 से हैं, जब हरियाणा को पंजाब से अलग करके बनाया गया था। पुनर्गठन के हिस्से के रूप में हरियाणा को रावी और ब्यास नदियों के पानी का हिस्सा देने का वादा किया गया था, जो मुख्य रूप से पंजाब से होकर बहती थीं। इसे लागू करने के लिए पंजाब के क्षेत्र से हरियाणा के हिस्से का पानी ले जाने के लिए एक नहर की परिकल्पना की गई थी। यह विवाद अब दो राज्यों के बीच राजनीतिक दोषारोपण के खेल में बदल गया है, जहां प्रतिद्वंद्वी दलों का शासन है। हरियाणा की भाजपा सरकार ने आम आदमी पार्टी पर जल राष्ट्रवाद को बढ़ावा देकर पंजाब में शासन की विफलताओं को दूर करने का आरोप लगाया है।

स्थिति यह है कि हरियाणा के साथ बढ़ते जल बंटवारे के विवाद के बीच पंजाब सरकार ने नांगल बांध पर सुरक्षा बढ़ा दी है। 3 दिनों से चल रही इस लड़ाई के बीच दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्रालय की पंजाब, हरियाणा, हिमाचल और राजस्थान के अधिकारियों से बैठक हुई है, जिसमें पानी को लेकर विवाद के बाद की स्थिति को लेकर चर्चा की गई। लेकिन, अब तक स्थिति साफ नहीं हो पाई है। जबकि, एक दिन पहले भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (BBMB) ने हरियाणा के लिए 8500 क्यूसेक पानी छोड़ने का आदेश दिया था, जिसका पंजाब सरकार ने कड़ा विरोध किया था।

बीबीएमबी के चेयरमैन मनोज त्रिपाठी की अध्यक्षता में बुधवार (30 अप्रैल) को हुई मैराथन बैठक में पांच सदस्य राज्यों में से भाजपा शासित हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली ने हरियाणा को पानी छोड़ने के पक्ष में मतदान किया। पंजाब अलग-थलग पड़ गया, क्योंकि कांग्रेस शासित हिमाचल प्रदेश ने किसी भी पक्ष में मतदान नहीं करने का फैसला किया। भाखड़ा-नांगल बांधों को अक्सर एक ही बांध माना जाता है, लेकिन वे दोनों अलग-अलग बांध हैं। भाखड़ा बांध हिमाचल प्रदेश में है, जबकि नांगल पंजाब में है। हालांकि, वे एक ही नदी परियोजना के पूरक भाग हैं।

पंजाब का दावा है कि हर लेखा वर्ष की शुरूआत में बीबीएमबी प्रत्येक भागीदार राज्य का जल हिस्सा निर्धारित करता है। चालू वर्ष के लिए इसने पंजाब को 5.512 मिलियन एकड़-फुट (एमएएफ), हरियाणा को 2.987 एमएएफ और राजस्थान को 3.318 एमएएफ आवंटित किया। इस आवंटन के विरुद्ध हरियाणा ने पहले ही 3.110 एमएएफ यानी अपने हिस्से का 104 प्रतिशत वापस ले लिया है।

हरियाणा का तर्क है कि उसे पीने के लिए पानी की जरूरत है, खासकर हिसार, सिरसा और फतेहाबाद जिलों में, जहां पानी की भारी कमी है। पंजाब ने कहा है कि बर्फबारी के मौसम में कम बर्फबारी के कारण पोंग और रंजीत सागर बांधों में जल स्तर औसत से कम है। भगवंत मान ने कहा कि पोंग बांध का जल स्तर पिछले साल की तुलना में 31.87 फीट कम है, जबकि रंजीत सागर बांध 16.90 फीट कम है। भाखड़ा बांध में यह पिछले साल की तुलना में 12 फीट कम है। उन्होंने कहा कि जब से आप ने सत्ता संभाली है, राज्य ने भूजल भंडारों पर दबाव कम करने के लिए सिंचाई के लिए नहर के पानी को प्राथमिकता दी है।

एक अंग्रेजी अखबार के अनुसार, पंजाब के जाने-माने जल विशेषज्ञ एएस डुलेट ने कहा कि हरियाणा को पीने के लिए पानी की आपूर्ति करने में कोई समस्या नहीं है। उन्होंने कहा, 'ऐसी समस्याएं आम हैं। समायोजन किया जा सकता है। अगर हरियाणा को आबादी को पीने के पानी की जरूरत है तो उसे मुहैया कराया जा सकता है, खासकर तब जब पंजाब को इस समय अतिरिक्त पानी की जरूरत नहीं है।' उन्होंने आगे कहा, 'पंजाब को 24-25 मई के आसपास अधिक पानी की जरूरत होगी, जब किसान 1 जून से धान की रोपाई शुरू करेंगे। एकमात्र शर्त यह है कि प्रत्येक राज्य का कोटा अपरिवर्तित रहना चाहिए। अगर हरियाणा को अभी अतिरिक्त पानी दिया जाता है तो पंजाब को बाद में इसकी भरपाई की जानी चाहिए। प्रवाह को समायोजित किया जा सकता है। लेकिन, एक राज्य के हिस्से से दूसरे राज्य को अतिरिक्त पानी देना गलत होगा।'

पंजाब अब अतिरिक्त पानी छोड़े जाने के खिलाफ कानूनी विकल्प तलाश रहा है। एक अधिकारी ने कहा, 'यह स्थिति ऐसी है, जब पानी जबरन दिया जा रहा है। हम एक समाधान खोजने पर काम कर रहे हैं। राज्य सरकार दृढ़ है। वह एक बूंद भी पानी को नदी के पार नहीं जाने देगी।' इस विवादास्पद कदम का बचाव करते हुए सीएम मान कहना है कि पंजाब खुद जल संकट का सामना कर रहा है। उन्होंने बताया कि पंजाब का वार्षिक जल लेखा-जोखा हर साल 21 मई से शुरू होता है और इस बात पर जोर दिया कि हरियाणा ने चालू चक्र के लिए अपना आवंटन पहले ही इस्तेमाल कर लिया है। उन्होंने ने क्षेत्र को पानी की आपूर्ति करने वाले प्रमुख जलाशयों की गंभीर स्थिति पर भी जोर डाला है। उनके अनुसार, रंजीत सागर बांध पिछले साल के स्तर से 39 फीट नीचे है, जबकि पोंग बांध 24 फीट नीचे है। पंजाब में पानी की कमी की गंभीरता को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा, 'हमारे पास एक भी अतिरिक्त बूंद नहीं है।' हालांकि, हरियाणा सरकार इस स्पष्टीकरण को स्वीकार नहीं कर रही है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मान की टिप्पणियों पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए उन्हें भ्रामक बताया और पंजाब पर लंबे समय से चले आ रहे अंतर-राज्यीय जल-बंटवारे समझौते का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। दोनों मुख्यमंत्रियों के बीच छिड़े वाकयुद्ध ने एक बार फिर अंतर-राज्यीय नदी जल विवाद के जटिल मुद्दे को सामने ला दिया है। विवाद मुख्य रूप से सतलुज-यमुना लिंक (SYL) नहर के इर्द-गिर्द घूम रहा है, जो एक प्रस्तावित बुनियादी ढांचा है। इसका उद्देश्य दोनों राज्यों के बीच नदी के पानी के समान वितरण को सुविधाजनक बनाना है। हालांकि, नहर अपनी स्थापना के दशकों बाद भी अधूरी है और विवाद राजनीतिक तनाव और सार्वजनिक भावनाओं को भड़काए हुए है हालांकि, पंजाब ने पानी की कमी का हवाला देते हुए इस कदम का लगातार विरोध किया है और दावा किया है कि वह अपनी खुद की कृषि को प्रभावित किए बिना अधिक पानी नहीं छोड़ सकता। पिछले कुछ सालों में पंजाब ने तर्क दिया कि उसके भूजल संसाधनों का अत्यधिक दोहन किया गया है, और इसे और अधिक मोड़ना असंतुलित होगा। वैसे कांग्रेस नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा और कुमारी शैलजा तथा इंडियन नेशनल लोकदल (आईएनएलडी) नेता अभय सिंह चौटाला ने भी सतलुज-यमुना लिंक (एसवाईएल) नहर जैसे संबंधित मुद्दों पर सुप्रीम कोर्ट के फैसलों के बावजूद हरियाणा का हिस्सा सुरक्षित करने में विफल रहने के लिए दोनों राज्यों की भाजपा सरकारों की आलोचना कर रहे है। गौरतलब है कि 1960 में हस्ताक्षरित सिंधु जल संधि के अनुसार, भारत को सतलुज, रावी और ब्यास नदियों के पानी पर विशेष अधिकार दिए गए थे। 1981 में पंजाब, हरियाणा और राजस्थान को शामिल करते हुए एक त्रिपक्षीय समझौते ने भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (BBMB) द्वारा सुगम बनाया। उपलब्ध जल संसाधनों को और विभाजित कर दिया। इस समझौते के तहत रावी-ब्यास जल का अनुमानित शुद्ध अधिशेष 17.17 मिलियन एकड़ फीट (MAF) आंका गया था। इसमें राजस्थान को 8.60 MAF, पंजाब को 4.22 MAF और हरियाणा को 3.50 MAF आवंटित किया गया था। हरियाणा का हिस्सा प्रभावी रूप से हरियाणा तक पहुंचे, यह सुनिश्चित करने के लिए, सतलुज-यमुना लिंक (SYL) नहर के नाम से जानी जाने वाली एक बड़ी परियोजना 8 अप्रैल, 1982 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा पटियाला जिले के कपूरी गांव में शुरू की गई थी। 214 किलोमीटर तक फैली इस नहर की लंबाई 122 किलोमीटर पंजाब में और 92 किलोमीटर हरियाणा में होगी। यह नहर जल्द ही राजनीतिक विवाद का विषय बन गई। शिरोमणि अकाली दल (रअक) ने निर्माण का विरोध किया, जिसके कारण 'कपूरी मोर्चा' विरोध आंदोलन शुरू हुआ। तनाव को कम करने के प्रयास में तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने तत्कालीन अकाली दल के अध्यक्ष हरचंद सिंह लोंगोवाल के साथ ऐतिहासिक 1985 समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसमें जल वितरण का पुनर्मूल्यांकन करने के लिए एक न्यायाधिकरण के गठन का वादा किया गया था। इसके परिणामस्वरूप सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश वी बालकृष्ण एराडी की अध्यक्षता में एराडी न्यायाधिकरण का गठन हुआ। 1987 तक न्यायाधिकरण ने संशोधित शेयरों की सिफारिश की थी। इसमें पंजाब के लिए 5 एमएएफ और हरियाणा के लिए 3.83 एमएएफ का प्रस्ताव था। अब तक के समाचारों के अनुसार हरियाणा को अतिरिक्त पानी देने के फैसले पर पंजाब अब भी तैयार होगा या नहीं यह स्पष्ट नहीं है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने इस मुद्दे पर चर्चा के लिए सोमवार को विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया है। शुक्रवार को भी उन्होंने सर्वदलीय बैठक की है, जिसमें राज्य के सारे दल इस मुद्दे पर एकजुट दिखाई दिए हैं। विधानसभा के विशेष सत्र में माना जा रहा है कि हरियाणा को पानी देने के खिलाफ पंजाब सरकार प्रस्ताव पारित कर सकती है।

वैदिक एवं पश्चिमी वैचारिकता में अंतर्द्वंद

संजीव ठाकुर

भारतीय संस्कृति हमें अपने भारतीय होने का एहसास कराती है। जो हमें विश्व के अन्य देशों से विकास की दौड़ में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है। भारत में अनेक परंपराएं ऐसी हैं जो सामाजिक जीवन को अधिक सभ्य एवं अच्छा इंसान बनाए रखने में योगदान देती है। जिनसे मनुष्यता का जीवन जीने की प्रेरणा भी मिलती है। यांत्रिक उपकरणों की तरह जिंदगी जीना भी कोई जीना है। यह भारतीय संस्कृति में पाश्चात्य का घालमेल ही है जो मनुष्य के जीवन को यंत्रवत बना देता है। जो आने वाले कल के लिए घातक भी हो सकती है। वहीं दूसरी ओर पाश्चात्य दर्शन की कुछ विशेषताएं भी हैं, जो हमारे विचारों को अधिक तार्किक तथा बौद्धिक बनाती है। जिससे हम अपना जीवन कार्तिक तथा बौद्धिक बना सकते हैं। जिन्हें हम अपने जीवन में क्रियान्वित कर अपने मनुष्य जाति के जीवन को अधिक सार्थक एवं सुलभ बना सकते हैं। निसंदेह हमें रूढ़ीवादी या एकदम पुरातन पंथी संस्कृति से लगाव न रखकर पाश्चात्य संस्कृति के जो फायदे हैं, उन्हें अपनाकर अपना जीवन सरल सार्थक एवं सुगम बना सकते हैं। विवेकानंद जी ने कहा है कि वीणा के तार को ईतना भी ना कसो कि वह टूट जाए, और इतना भी ढीला छोड़ो कि वह बज भी ना पाए, मूलतः हमें दोनों संस्कृतियों की समग्र अच्छाइयों को आत्मसात कर उनकी बुराइयों को त्यागना होगा तब ही जीवन सफल हो सकेगा।

भारतीय संस्कृति अध्यात्म प्रधान है। जबकि पश्चिमी सभ्यता भौतिकता लिए होती है, और उसमें भौतिकता की प्रधानता होती है। आध्यात्मिक प्रधान संस्कृति से तात्पर्य भौतिकता वादी दृष्टिकोण से दूर रहकर भौतिकता वादी होने का ही है। प्राचीन काल से ही भारत देश में 'अतिथि देवो भव' और 'वसुधैव कुटुंबकम' वाली संस्कृति रही है। भारत की सांस्कृतिक धरोहर, विश्वास, भावना,आस्था, धर्म, रीति रिवाज जैसे तथ्यों से भरी पड़ी है। धर्म प्रधान संस्कृति होने के कारण ही इसे आध्यात्मिक प्रवृत्ति वाला देश माना गया है। स्वामी रामकृष्ण परमहंस के शब्दों में यदि कहें तो ईश्वरत और त्याग पर्यायवाची शब्द है। संस्कृति और सदाचार उसकी बाह्य अभिव्यक्तियाँ है। परंपरागत दृष्टिकोण से हम अपने धार्मिक तथा अध्यात्मिक दर्शन को लेकर बहुत हद तक अपने आप को एवं देश को महिमामंडित करने में लगे रहते हैं। किंतु आज आवश्यकता इस बात की है कि हमें पूर्ण रूप से आध्यात्मिक ना होकर वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाकर इस तथ्य का मूल्यांकन किया जाना चाहिए कि 21 सदी में पांचवी एवं छठवीं सदी की मान्यताएं तथा परंपराएं जारी रख उन्हें अपना सकते हैं क्या?, आज जब दुनिया वैज्ञानिक चमत्कारों से भरी पड़ी है। दुनिया विज्ञान की प्रगति से चांद तो क्या सूर्य को भी खंगालने का प्रयास कर रही है। मानव का क्लोन बनाकर ईश्वर की सत्ता को चुनौती देने का प्रयास किया जा रहा है। ऐसे में धार्मिक संस्कृति तथा आध्यात्मिकता को आवश्यकता से अधिक महत्व एवं परंपरा में लाना प्रासंगिक एवं तार्किक होगा। निसंदेह नहीं।

पाश्चात्य दर्शन भौतिकता प्रधान एवं वैज्ञानिक संस्कृति है। भौतिकता प्रधान युग से तात्पर्य ऐसी परंपरा जो यथार्थवादी दृष्टिकोण को सर्वाधिक महत्व देती है। वैसे ही भौतिकता का सामान्य मतलब इंद्रिय बोध से साक्षात संबंध रखने वाली वस्तु से है, अर्थात जो वास्तविकता है एवं यथार्थ है वही पाश्चात्य दर्शन है। पाश्चात्य संस्कृति को इसलिए भी वैज्ञानिक एवं वस्तु परख माना जाता है क्योंकि इसमें सूक्ष्म जांच पड़ताल कर वस्तु स्थिति का सही मूल्यांकन अपनाकर एक सामान्य सिद्धांत एवं नियम बनाया जाता है। जिससे भविष्य की बातों को जानकर जीवन को और अच्छा तथा बेहतर बनाने में मदद मिल सके।

वैसे पाश्चात्य संस्कृति में बहुत सी अहितकर बातें भी हैं, जैसे वसुधैव कुटुंबकम की भावना कमतर होते जा रही है। संयुक्त परिवार की प्रणाली का विघटन होते जा रहा है। पारिवारिक वातावरण संघर्ष तथा तनावपूर्ण होते जा रहा हैं। पाश्चात्य संस्कृति की नकल कर लोग परिवार से अलग होकर स्वतंत्र जीवन यापन करना पसंद करते हैं। उनमे विवाह विच्छेद और अन्य विसंगतियां जन्म लेने लगी हैं। धर्म तथा आध्यात्मिक के प्रति आमजन की सूची धीरे धीरे कम होते जा रही है। ऐसो आराम के सामान खरीदने के कारण लोगों के खर्चे अनाप-शनाप बढ़ चुके हैं। बुजुर्गों की इज्जत तवज्जो होनी कम हो गई है। दादा और नाती के संबंधों में अब वह गर्माहट शेष नहीं रह गई है, जैसी की एक सांस्कृतिक तथा नैतिक परिवार जनों में हुआ करती थी। धीरे-धीरे परिवार के सदस्य अलग होकर अकेलेपन की समस्या से जूझ रहे हैं। आने वाली पीढ़ी अपनी संस्कृति एवं आध्यात्मिक प्रवृत्ति भूलती जा रही है। प्रेम विवाह तथा अंतर जाति विवाह पाश्चात्य सभ्यता के कारण बहुत बढ़ गए हैं। जिससे वैवाहिक संबंध टूटने के कगार पर आ जाते हैं। पर दूसरी तरफ पाश्चात्य सोच के कारण स्त्री सशक्तिकरण को बढ़ावा भी मिला है महिलाएं जहां पहले अपने घरों में कैद थी अब उन्मुक्त होकर शिक्षित होकर समाज में सफल होकर पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर व्यवसायिक दृष्टिकोण अपनाकर बड़े-बड़े पदों में कार्य कर रही हैं। समाज में खुलापन भी आ गया है। विकास रोजगार एवं मानवीय सोच में भी काफी विस्तार आया है, जो विश्व की सभ्यताओं में आज मौजूद है,जो भारत के विकास में सहायक भी हैं। कुल मिलाकर बात यह है कि हमें आध्यात्मिक भारतीय परंपरा संस्कृति तथा पाश्चात्य दर्शन तथा पाश्चात्य संस्कृति की सकारात्मक बातें आत्मसात कर विकास की एक नई राह खोजनी होगी, एवं सदैव अच्छी बातों के लिए अपने मस्तिष्क को खुला रखना होगा और पाश्चात्य संस्कृति की विसंगतियों को दूर रख भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देना चाहिए।

मैनेजमेंट के मखमली पर्दे के पीछे दम तोड़ती पत्रकारिता

- डॉ सत्यवान सौरभ

आजकल के मीडिया और पत्रकारिता के परिवेश में जिस तरह से व्यावसायिकता, ब्रांडेड कंटेंट और ढफमैनेजमेंट की छाया बढ़ी है, वह पत्रकारिता के लिए एक बड़ा संकट बनता जा रहा है। पहले जहाँ पत्रकारिता को समाज का प्रहरी माना जाता था, वहीं आज वह व्यापार, लाभ और स्वार्थ की जुबान में तब्दील हो चुकी है। खासकर ढफ एजेंसियों और मीडिया प्रबंधन ने पत्रकारों को अपनी मुट्ठी में इस तरह से जकड़ लिया है कि उनका असली काम–सच सामने लाना–अब एक दम से परे हो गया है।

यह सच है कि पत्रकारों का जीवन कभी भी आसान नहीं था, लेकिन आज के दौर में उनकी स्थिति पहले से कहीं ज्यादा कठिन हो गई है। एक तरफ जहां ढफ मैनेजमेंट कंपनियां लाखों की फीस लेकर अपने ग्राहकों के लिए सुविधाएँ और ग्लैमरस इमेज तैयार करती हैं, वहीं दूसरी तरफ वही पत्रकार जो असल में सच्चाई को सामने लाने की जिम्मेदारी उठाते हैं, उन्हें अपनी टूटी फूटी बाइक पर सवार होकर दुनिया की कड़वी सच्चाई से निपटना पड़ता है। यही आज का मीडिया परिदृश्य है। हमारे समाज में आज मीडिया की भूमिका, पत्रकारिता की नींव के बजाय एक व्यापार बन गई है। यह भी सही है कि मीडिया कभी पूरी तरह से स्वतंत्र नहीं रही है, लेकिन आज यह पूरी तरह से विज्ञापन, ब्रांडेड कंटेंट और राजनीतिक दवाब का शिकार हो चुकी है। पिछले कुछ वर्षों में, ढफमैनेजमेंट ने मीडिया की धारा को इस कदर बदल दिया है कि अब पत्रकारिता में असल मुद्दे कम होते जा रहे हैं और साजिश, स्क्रिप्टेड खबरें और राजनीतिक एजेंडे ज्यादा होते हैं। आजकल ज्यादातर मीडिया चैनल्स और अखबार ढफएजेंसियों की मदद से खबरें चलाते हैं, जिसमें उनका मुख्य उद्देश्य सिर्फ और सिर्फ व्यापारिक फायदे होते हैं। क्या कभी हमें सोचना चाहिए कि जिस वक्त हम खबर देख रहे होते हैं, क्या वह खबर सही है या किसी के हित के लिए तैयार की गई है? यह सवाल आज पत्रकारिता के असली उद्देश्य पर गंभीर संकट खड़ा करता है। पत्रकारिता, जो कभी जनता का मंच हुआ करती थी, आज एक उत्पाद बन गई है, जिसे खरीदी और बेची जा सकती है।

यह स्थिति उस पत्रकार के लिए और भी कष्टप्रद होती है, जो सच्चाई के रास्ते पर चलता है। वह पत्रकार जो बिना किसी स्वार्थ के, जनता के हित में आवाज उठाता है, उसे आज भी उसी स्थिति में काम करना पड़ता है जैसे कभी पुराने समय में किया जाता था–टूटी बाइक, कम वेतन और सरकारी दवाब। यहां तक कि कई पत्रकारों को अपनी नौकरी की सुरक्षा के लिए भी संघर्ष करना पड़ता है। एक समय था जब पत्रकारिता को समाज का चौथा स्तंभ माना जाता था, लेकिन आज के समय में यह स्तंभ हिल चुका है। पत्रकार अपनी टूटी हुई बाइक पर बैठे अपनी ज़िम्मेदारी का निर्वाहन कर रहा है, जबकि वही मीडिया मैनेजर, जिनका काम सिर्फ विज्ञापन और ढफप्रबंधन है, वह शानदार लाइफ जी रहे हैं। लग्जरी कारों में घूमना, आलीशान दफ्तरों में बैठना और महंगे खाने-पीने की चीजों का सेवन करना–यह सब उनके लिए आम बात हो चुकी है। और इसका सबसे दुखद पहलू यह है कि यह सब कुछ उसी समाज के पैसों से हो रहा है, जिसकी सच्चाई को उजागर करने का काम पत्रकारों ने किया है।

जाति जनगणना के जरिये पिछड़े जातियों को साधेगी बीजेपी

कांग्रेस पार्टी जातिवाद का प्रखर विरोध करते हुए 1971 में नारा दिया था जात पर न पात पर, इंदिरा जी की बात पर, मुहर लगेगी हाथ पर। तब यह आम लोगों को दिलों के छू लेने वाला चुनावी नारा, बड़ा मुद्दा बन गया था। लेकिन हाल के कुछ वर्षों में

कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने जातीय जनगणना का मुद्दा उठाकर कांग्रेस के ऐतिहासिक रुख को बदल दिया। वे अपनी रैलियों में जाति जनगणना का मुद्दा उठाते रहे। उन्होंने सार्वजनिक तौर पर माना भी कि देश की एक बड़ी आबादी के साथ कांग्रेस सही न्याय नहीं कर सकी। उन्होंने कहा कि कोई भी ताकत जातिगत जनगणना को नहीं रोक सकती। 90 फीसदी आबादी के लिए न्याय सुनिश्चित करना उनके जीवन का मिशन है, जिनके साथ अन्याय हुआ है। राहुल ने कहा कि जैसे ही हमारी सरकार बनेगी, सबसे पहले जातिगत जनगणना करवाई जाएगी। राहुल ने आरोप लगाया कि राम मंदिर और नए संसद भवन के उद्घाटन के दौरान एक भी दलित या आदिवासी को नहीं देखा गया। 90 प्रतिशत आबादी इसे समझती है। राहुल ने कहा था कि हिंदुस्तान में 50% आबादी पिछड़े वर्ग की है। 15% आबादी दलितों की है। 8% आबादी आदिवासियों की है। 15% आबादी माइनॉरिटी की है और 5% आबादी गरीब जनरल कास्ट की है। अगर आप इन सबको मिला दें तो 90% से ज्यादा आबादी इन लोगों की बनती है। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने भी देश में जाति जनगणना का समर्थन करते हुए कहा कि देश में कितनी जातियां हैं, संख्या परिस्थिति जानने का हक सरकार को है ताकि सभी वर्गों का कल्याण हो सके। एनडीए सरकार के सहयोगी चिराग पासवान ने भी जाति जनगणना का समर्थन करते हुए कहा कि हम चाहते हैं कि जाति जनगणना हो। देश में मूल जनगणना से साथ जाति जनगणना कराने का केंद्र का फैसला भले ही देर से आया लेकिन इससे उन जातियों का सामाजिक, आर्थिक सर्वेक्षण हो सकेगा जो विकास की दौड़ में पिछड़ गई। इससे सरकारी योजनाओं में दलितों, पिछड़ों व उपेक्षित वर्ग को उचित भागीदारी मिलेगी। देश में पहली जाति जनगणना 1931 में हुई थी। 1951 में स्वतंत्र भारत की पहली जनगणना में सिर्फ एससी - एसटी की गणना हुई थी। कई बार राज्य और केंद्र सरकार ऐसी योजनाए बनती हैं जो जाति को ध्यान में रखकर तैयार की जाती है। मोदी सरकार के जातिगत जनगणना से जातीय आरक्षण कोटा भी स्पष्ट हो सकेगा। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कपूरी ठाकुर ने 1978 में मुंगेरीलाल आयोग की रिपोर्ट के आधार पर आरक्षण कोटा लागू किया था। उन्होंने बिहार के राज्य प्रशासन और शैक्षणिक संस्थानों में ओबीसी के लिए 20 प्रतिशत आरक्षण की मंजूरी दी थी। जिसमें उच्च ओबीसी जातियों के लिए 8 प्रतिशत और 12 प्रतिशत आर्थिक रूप से पिछड़ा वर्ग ईबीसी के लिए था, जिसमें बड़े पैमाने पर भूमिहीन और कारीगर जातियां शामिल थी। हालाँकि तब इसका विरोध सरकार में शामिल भारतीय जनसंघ ने किया था जिससे 1979 में ठाकुर की सरकार गिर गई। 1960 और 1970 के दशक में उत्तर भारत में ओबीसी जनसमूह में राजनीतिक चेतना का तेजी विस्तार हुआ, जिससे अधिकांश पार्टियों में ओबीसी नेताओं का उदय हुआ। पिछले 10 वर्षों में बीजेपी ने हिंदी पट्टी वालों राज्यों में ओबीसी वोटों के बदौलत नहीं सिर्फ जीत हासिल की है बल्कि सरकारें भी बनाई है। बीजेपी ने उच्च ओबीसी जातियों यादव, कुर्मी और कोईरी के साथ अत्यंत पिछड़े वर्ग ईबीसी को भी अपने पाले में करने में सफलता हासिल की है। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के तहत लोहार, बधाई, कुम्हार, नाई जैसी जातियां भी अब बीजेपी से जुड़ गई हैं। फिलहाल जाति जनगणना की रिपोर्ट 2031 तक आने की संभावना है तब तक बिहार, यूपी विधानसभा के चुनाव हो चुके होंगे और केंद्र में भी दूसरी नई सरकार होगी। - **गंगाराम विश्वकर्मा**

पार्कसाईट में श्री राम कथा की अमृत वर्षा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। विक्रोली पार्क साईट स्थित हनुमाननगर (ब) नवजीवन सोसायटी में श्री हनुमान मंदिर पर रविवार 04 मई से 11 मई 2025 तक शाम 6 बजे से रात 10 बजे तक कथा वाचक श्रद्धेय पंडित वेदप्रकाश जी महाराज अयोध्या धाम के मुखार बिंदु द्वारा श्री राम कथा की अमृत वर्षा का आयोजन किया गया है। उसी उपलक्ष्य में आज 4 मई को सुबह 9.00 बजे से श्री हनुमान मंदिर नवजीवन सोसायटी से पार्क साईट में भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी। कथा आयोजक संजय गिरी सहित सभी राम भक्तों ने समस्त धमार्नुरागी माताओं, बहनों, बंधुओं से अपील की है कि इस कलश यात्रा में शामिल होकर अपने आप को पुण्य का भागीदार बने । तत्पश्चात शाम को मयार्दा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम के आदर्श जीवन की कथा का लाभ उठाएं।

वसई-विरार वसई विजयोत्सव 2025 की समीक्षा बैठक सम्पन्न

नरेंद्र सोनी /विरार (उत्तरशक्ति)। वसई-विरार महानगरपालिका के विरार कार्यालय में 287वीं वसई विजयोत्सव समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 10 से 12 मई तक वसई-विरार शहर में कला, खेल और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ वसई विजयोत्सव 2025 का आयोजन किया जाएगा। बैठक में इस भव्य महोत्सव की रूपरेखा पर चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता विधायक राजन नाइक ने की, जिसमें वसई विरार महानगरपालिका आयुक्त अनिल पवार, उपायुक्त संजय हेरावड़े, पूर्व प्रथम महापौर राजीव पाटिल, वसई विजय स्मारक समिति के अध्यक्ष यशवंत पाटिल, बबन शेठ नाइक, जिला अध्यक्ष महेंद्र पाटिल, पूर्व नगरसेवक किरण भोईर, मनोज पाटिल, विशाल राउत, रवि पुरोहित, महेश सरवणकर, श्रीमती गीतांजलि दरीवाला, मुकुंद मुलायम, मेहुल शाह, श्रीमती सान्वी यांडे सहित कई पार्टी पदाधिकारी और नगर निगम अधिकारी उपस्थित रहे। इतिहासकार डॉ. श्रीधर राउत की विशेष उपस्थिति में यह सुझाव दिया गया कि वसई के समृद्ध ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को दशार्ने के लिए कार्यक्रम को अधिक भव्य और व्यापक बनाया जाए, जिससे पर्यटकों को वसई का गौरवशाली इतिहास जानने का अवसर मिल सके।

अनुश्री फाउंडेशन द्वारा बोईसर रेलवे स्टेशन पर छाछ वितरण कार्यक्रम आयोजित

पालघर(उत्तरशक्ति)। तपती गर्मी में राहत देने हेतु अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर अनुश्री फाउंडेशन की ओर से बोईसर रेलवे स्टेशन पर छाछ वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस पुनीत कार्य की शुरूआत स्टेशन मास्टर बलबीर सिंह ने नारियल तोड़कर की। इस आयोजन के तहत लगभग 2000 लोगों को छाछ का वितरण किया गया, जिससे यात्रियों और स्थानीय लोगों को भीषण गर्मी से कुछ राहत मिली। कार्यक्रम के दौरान अनुश्री फाउंडेशन की सचिव पुष्पा तिवारी ने अपनी संपूर्ण टीम के साथ स्टेशन मास्टर बलबीर सिंह का स्वागत किया। इस मौके पर पुलिस निरीक्षक ज्ञान देवनागरे, कार्य सम्राट के अध्यक्ष विजय वैद्य, सुभाष पाण्डेय, जिला अध्यक्ष देवी सिंह, जिला उपाध्यक्ष नवल मिश्रा, संगठन महामंत्री गौरी बाल महाकोड, सचिव रेनू पांडे, शहर सचिव ज्ञानमती, सदस्य ममता साहू, शशि कला तिवारी, गुड़िया सिंह, मिथुन चक्रवर्ती, साधना उपाध्याय सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।कार्यक्रम के अंत में सचिव पुष्पा तिवारी ने सभी अतिथियों और टीम सदस्यों का आभार व्यक्त किया। साथ ही अनुश्री फाउंडेशन की टीम ने वहां स्वच्छता का भी विशेष ध्यान रखते हुए स्टेशन परिसर की सफाई कर स्वच्छता अभियान भी चलाया। यह आयोजन न केवल समाजसेवा का उत्कृष्ट उदाहरण बना, बल्कि गर्मी से जूझ रहे लोगों के लिए एक बड़ी राहत भी साबित हुआ।

मोईज शेख ने मसोली नाका, डहाणू में पुलिस चौकी की मांग को लेकर मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिले की डहाणू तहसील के मसोली नाका क्षेत्र में बढ़ती अपराधिक घटनाओं और जनसुरक्षा की चिंता को देखते हुए स्थानीय समाजसेवक मोईज शेख ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखकर मसोली नाका में स्थायी पुलिस चौकी की स्थापना की मांग की है। पत्र में मोईज शेख ने उल्लेख किया है कि मसोली नाका और उसके आस-पास के क्षेत्र में पिछले कुछ महीनों से अपराधिक गतिविधियों में वृद्धि देखी गई है। क्षेत्र में चोरियां, झगड़े, नशाखोरी जैसी घटनाएं आम होती जा रही हैं, जिससे स्थानीय नागरिकों में भय और असुरक्षा का माहौल बना हुआ है। उन्होंने बताया कि मसोली नाका एक व्यस्त इलाका है, जहां से रोजाना हजारों लोग आवागमन करते हैं। इसके अलावा, यह क्षेत्र औद्योगिक व ग्रामीण सीमाओं से जैसे कि वड़कून, प्रभुपाडा, घाचिया, कंकराडी से सटा हुआ है, जिससे यहां निगरानी रखना और भी आवश्यक हो जाता है। वर्तमान में डहाणू पुलिस ट्रॅफिक के कारण आपात स्थिति में पुलिस को पहुंचने में समय लगता है। यहां तीन बड़ी स्कूल है जिसकी वजह से भी ट्रैफिक जाम रहती है ।

बोईसर में महाराष्ट्र दिवस, कामगार दिवस और डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर जयंती कार्यक्रम आयोजित

पालघर(उत्तरशक्ति)। स्थानिक माघाडी वराई ट्रान्सपोर्ट व जनरल कामगार युनियन की ओर से 1 मई को आयोजित ₹महाराष्ट्र दिवस₹, ₹कामगार दिवस₹ और भारतीय संविधान निमार्ता डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की 134वीं जयंती का भव्य कार्यक्रम अत्यंत उत्साह और सामाजिक जागरूकता के वातावरण में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का आयोजन बोईसर स्थित दशरथी बाग, एमआईडीसी रोड, आदर्श विद्यालय के बाजू में किया गया था, जहाँ बड़ी संख्या में नागरिक, कामगार, युवा और सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित हुए। कार्यक्रम की सुरुवात मान्यवरो द्वारा दीप प्रज्वल्लन करके किया गया । इस अवसर पर संविधानिक मूल्य, सामाजिक समता, श्रमिक अधिकार और समतामूलक समाज की दिशा में विचार प्रस्तुत किए गए। मुख्य मार्गदर्शक के रूप में शिवश्री ?ड. रोशन पाटील (सत्यशोधक युवा समाज, रायगढ़) ने अपने ओजस्वी भाषण में सत्य, न्याय व सामाजिक न्याय के मूल्यों पर प्रकाश डाला, वहीं दंगलकार आयु. नितीन चंदन शिवे ने श्रमिक आंदोलन के ऐतिहासिक संघर्ष और आज की

चुनौतियों पर प्रभावी वक्तव्य दिया। मुख्य निमंत्रक हर्षल डी. लोखंडे की उपस्थिति ने कार्यक्रम को और अधिक गरिमामय बनाया। उन्होंने कहा, ₹समाज में परिवर्तन तभी संभव है जब संविधानिक अधिकारों की समझ घर-घर तक पहुंचे।₹ इस अवसर पर मुख्य अतिथी के रूप मे भाजपा के बोईसर मंडल अध्यक्ष महेंद्र भोने, दलित पॅन्थर के अविश राऊत, आरपीआई के पालघर जिला कार्य अध्यक्ष सचिन लोखंडे, सामाजिक कार्यकर्ता अप्पा लोखंडे, संजय बारी, सरावली ग्रामपंचायत सदस्या जुली बारी, वरिष्ठ पत्रकार अशाद शेख, प्रमोद गजभिये, निराला समाचार के संपादक दीपक निराला, लायन क्लब के प्रदीप काट्यानं सहित अनेक मान्यवर उपस्थित थे । इस कार्यक्रम की सफलता के पीछे लोचन चौधरी, अविनाश गायकवाड, तेजेंद्र सिंग, चेतन शेलार, योगेश घुडे, प्रशांत कुंजीर, सुबोध उजानवाल, मुबारक शेख, इम्रान मेमन, कल्पेश लोखंडे सहित अन्य कार्यकताओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने आयोजन की संपूर्ण व्यवस्था, जनसंपर्क व मंच संचालन में सक्रिय योगदान दिया। कार्यक्रम में गीत, कविता और समाज जागरूकता से जुड़े सांस्कृतिक प्रस्तुति भी हुई, जिसने वातावरण को जीवंत बना दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य केवल उत्सव मनाना नहीं, बल्कि समाज में चेतना और समानता का संदेश फैलाना था जो पूरी तरह सफल रहा। कार्यक्रम के आयोजक स्थानिक माघाडी वराई ट्रान्सपोर्ट व जनरल कामगार युनियनके संस्थापक दशरथ लोखंडे ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

वनमंत्री को पत्र लिखकर केतकीपाड़ा मामले को हल करने की पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने की मांग

बोरीवली, मुंबई (उत्तरशक्ति)। संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान, केतकीपाड़ा में सौ-डेढ़ सौ फुट की छोटी-छोटी दुकानों में घरेलू उपयोग में लगनेवाला सामान बेचा जाता है। लेकिन इन्हें कमर्शियल (व्यावसायिक) गतिविधि के नाम पर और उस श्रेणी में रखकर माननीय न्यायालय के आदेश की अवहेलना करके वन विभाग द्वारा यहां बड़े पैमाने पर तोड़क कार्रवाई करने की तैयारी की जा रही है। संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान के वन अधिकारियों द्वारा माननीय न्यायालय के मूल आदेश को दरकिनार कर और दिशाभूलपूर्ण रखते हुए केतकीपाड़ा के इन गरीब लोगों को नोटिस देकर कथित रूप से डराया जा रहा है। इस मामले को संज्ञान में लेते हुए उत्तर मुम्बई के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने महाराष्ट्र राज्य के वन मंत्री गणेश नाईक को पत्र लिखकर इस मामले में हस्तक्षेप करने और केतकीपाड़ा के असहाय नागरिकों को न्याय दिलाने की मांग करते हुए पत्र में आगे लिखा है कि वन मंत्री अपने कार्यालय में जल्द से जल्द एक संयुक्त बैठक का आयोजन करके इस गंभीर विषय पर उचित निर्णय लें ताकि माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेश की अवहेलना न हो और केतकीपाड़ा के नागरिकों पर अन्याय भी न हो ।

मध्यप्रदेश के पर्यटन स्थलों की रोमांचक झलक अब किडजानिया में

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मध्यप्रदेश इतिहास, संस्कृति, अध्यात्म और वन्यजीव का अद्भुत मिश्रण है। प्रदेश की वैभवशाली विरासत, वन्यजीव और समृद्ध संस्कृति को रोचक और आकर्षक रूप में किडजानिया के माध्यम से भावी पीढ़ी तक पहुंचाया जायेगा। प्रमुख सचिव पर्यटन और संस्कृति एवं प्रबंध संचालक, एमपी टूरिज्म बोर्ड, शिव शेखर शुक्ला किडजानिया मुंबई में एमपी टूरिज्म एक्सपीरियंस सेंटर के शुभारंभ अवसर को संबोधित कर रहे थे। इसी के साथ किडजानिया दिल्ली में भी टूरिज्म एक्सपीरियंस सेंटर शुरू हो गया। प्रमुख सचिव श्री शुक्ला ने कहा कि मध्यप्रदेश में सभी के लिए सब कुछ है। देश में उपलब्ध लगभग सभी पर्यटन आकर्षण मध्यप्रदेश में है। विशेष रूप से मध्यप्रदेश की स्थानीय जनजातीय संस्कृति का अनुभव पर्यटकों के लिए अनोखा

होता है। प्राचीन समय से जनजातीय संस्कृति को संरक्षित रखते हुए मूल स्वरूप में सहेजा गया है। साथ ही इतिहास प्रेमियों के लिए तो मध्यप्रदेश स्वर्ग की तरह है। यहां यूनेस्को के 18 विश्व विरासत स्थल है। इसमें से 3 स्थायी सूची में और 15 अस्थायी सूची में शामिल हैं। प्रमुख सचिव श्री शुक्ला ने सभी का कार्यक्रम का हिस्सा बनने के लिए धन्यवाद देते हुए उन्हें मध्यप्रदेश में पर्यटन के लिए आमंत्रित किया।

चीफ बिजनेस ऑफिसर किडजानिया तरणदीप सिंह शेखोंन ने कहा कि प्रदेश के पर्यटन स्थलों को बच्चों के जरिए परिवारों तक पहुंचाने के पहली बार किसी राज्य ने नवीन पहल की है। मध्यप्रदेश का यह नवाचार बच्चों को भविष्य का जिम्मेदार पर्यटक बनाने में अहम भूमिका निभाएगा। कार्यक्रम में अतिरिक्त प्रबंध संचालक एमपी टूरिज्म बोर्ड सुश्री बिदिशा मुखर्जी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के पर्यटन स्थलों को देश भर के बच्चों तक पहुंचाने के लिए यह नवीन प्रयोग किया गया है। जंगल सफारी और रिवर राइड के माध्यम से बच्चे प्रदेश के वन्य जीव, नदियों, इतिहास और संस्कृति से परिचित होंगे। आने वाले समय में इसे और अधिक रोचक बनाया जाएगा।कार्यक्रम में किडजानिया और एमपी टूरिज्म के बीच एमओयू एक्सचेंज सेरेमनी की गई। किडजानिया के डायरेक्टर और चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर यजदी खंबाटा ने प्रमुख सचिव शुक्ला को एमपी टूरिज्म एक्सपीरियंस सेंटर की चाबी भेंट की। इसके बाद किडजानिया के बच्चों के संग केक कटिंग कर सेंटर के शुभारंभ की खुशी मनाई गई। किडजानिया के मैस्कॉट और बच्चों के साथ किडजानिया परेड के साथ किडजानिया सिटी घूमते हुए सभी अतिथि एमपी टूरिज्म के एक्सपीरियंस सेंटर पहुंचे।

कमलादेवी महाविद्यालय में दीक्षांत समारोह संपन्न

कल्याण(उत्तरशक्ति)। शनिवार को विठ्ठलवाड़ी के कमलादेवी महाविद्यालय में स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्रों के लिए भव्य दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के विद्यार्थियों, अभिभावकों, प्राध्यापकों और स्थानीय गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति ने समारोह को और भी गरिमामयी बना दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका के आयुक्त अभिनव गोयल उपस्थित थे। आयुक्त गोयल ने विद्यार्थियों की सफलता पर उन्हें बधाई देते हुए कहा, शिक्षा समाज की प्रगति का आधार है और कमलादेवी महाविद्यालय इस दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। उन्होंने महाविद्यालय के नव स्थापित पीएच.डी. अनुसंधान केंद्र के लिए शुभकामनाएं भी दीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कमलादेवी एजुकेशन ट्रस्ट के अध्यक्ष सदानंद तिवारी ने की। उन्होंने विद्यार्थियों को उनके उज्जवल भविष्य के लिए प्रेरित किया और महाविद्यालय की उपलब्धियों पर गर्व व्यक्त किया। तिवारी ने कहा, आज का दिन विद्यार्थियों के जीवन का महत्वपूर्ण मोड़ है। यह सफलता उनकी मेहनत और समर्पण का परिणाम है। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. सिम्मी सिंह ने विद्यार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान किया और उन्हें जीवन में नैतिक मूल्यों के पालन की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लगभग 100 विद्यार्थियों को उनकी उपाधियाँ प्रदान की गईं।विद्यार्थियों ने अपनी कड़ी मेहनत और समर्पण से यह उपलब्धि प्राप्त की। उनके चेहरे पर खुशी और गर्व की झलक साफ दिखाई दे रही थी। समारोह की सफलता में महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (ठरर) इकाई और सांस्कृतिक समिति का महत्वपूर्ण योगदान रहा। उन्होंने कार्यक्रम की योजना, आयोजन और समन्वय में सक्रिय भूमिका निभाई। उनकी मेहनत और समर्पण ने समारोह को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई।

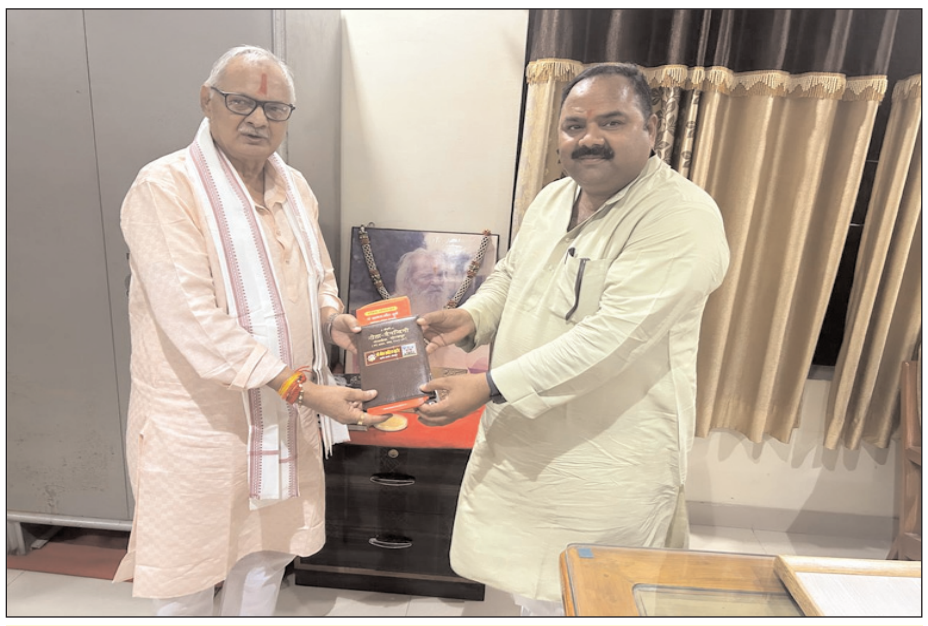

मुंबई, कल्याण के वरिष्ठ समाज सेवक, शिक्षाविद, साहित्यकार, पत्रकार व समाज रत्न प्रा जितेन्द्र शंकर पाण्डेय ने जौनपुर के प्रतिष्ठित कुटीर संस्थान में सदीक्षा भेंट की। संस्थान के प्रबंधक व समाज सेवक डा अजयेंद्र दूबे ने पाण्डेय को सम्मानित किया। छाया: उत्तरशक्ति

कल्याण के समाजसेवी दिवेश मिश्रा ऑनरेरी डॉक्टरेट और किर्गिज रिपब्लिक अवार्ड से सम्मानित

किर्गिजस्तान की ओश स्टेट यूनिवर्सिटी ने दी डॉक्टर ऑफ सोशल वर्क की उपाधि

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण निवासी डॉ. दिवेश रमाशंकर मिश्रा को किर्गिजस्तान की ओश स्टेट यूनिवर्सिटी ने ₹ऑनरेरी डॉक्टरेट₹ और ₹किर्गिज रिपब्लिक अवार्ड₹ देकर सम्मानित किया है। हाल ही में नई दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में लता फाउंडेशन द्वारा आयोजित भव्य समारोह में डॉ.दिवेश मिश्रा को डॉक्टर ऑफ सोशल वर्क की उपाधि से नवाजा गया। बतादें कि आस्था सेवाभावी संस्था के अध्यक्ष दिवेश मिश्रा बीते 20 वर्षों से समाजसेवा में सक्रिय है, जो असहायों की सहायता का कार्य निरंतर कर रहे है। समाजसेवा के क्षेत्र में उनके समर्पण और उल्लेखनीय योगदान को देखते हुए ओश यूनिवर्सिटी ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उन्हें यह सम्मान दिया है। डॉ.मिश्रा आस्था सेवाभावी संस्था के

माध्यम से वर्षों से महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सामाजिक सुधार से जुड़ी सेवाओं में अग्रणी रहे है। यह सामाजिक संस्था समाज और जनहित के लिए कई वर्षों से कार्य करती चली आ रही है। उनकी यह उपलब्धि उन सभी कार्यकताओं के लिए प्रेरणास्रोत है, जो समाजसेवा के क्षेत्र से जुड़े हुए हैं। ऑनरेरी डॉक्टरेट की उपाधि मिलने से मिश्रा परिवार में खुशी की लहर दौड़ पड़ी है। कल्याण से लेकर पैतृक गांव तक रिश्तेदार और मित्र-संबंधी डॉ.दिवेश मिश्रा की इस उपलब्धि पर गर्वान्वित महसूस कर रहे हैं।

पलावा सिटी में भव्य परशुराम जन्मोत्सव संपन्न

धार्मिक श्रद्धा और सामाजिक समरसता का अनुपम उत्सव

डोंबिवली (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय परशुराम सेना युवा वाहिनी के तत्वावधान में एविवा ग्राउंड, डाऊनटाउन, पलावा सिटी 2, डोंबिवली, महाराष्ट्र में भगवान परशुराम जी का जन्मोत्सव 30 अप्रैल को भव्यता और श्रद्धा के साथ संपन्न हुआ। इस आयोजन में मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, दीवा, लोधा हेवेन, कासा रियो, कासा बेला गोल्ड, डोंबिवली, कल्याण, लेकशोर, डाऊनटाऊन एवं विभिन्न क्षेत्रों से आए राष्ट्रीय परशुराम सेना के सदस्यों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई और आयोजन को सफल बनाने में योगदान दिया। कार्यक्रम की शुरूआत संगीतमय सुंदरकांड पाठ, परशुराम लक्ष्मण संवाद से हुई जिसके बाद भजन संध्या और लोकगीतों ने श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। पूजा अभिषेक एवं आरती में भक्तों की अपार श्रद्धा देखी गई। श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद की विशेष व्यवस्था ने आयोजन को पूर्णता प्रदान की। इस ऐतिहासिक आयोजन की सफलता में महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश तिवारी, रवि चौबे, प्रोफेसर संतोष तिवारी, संतोष श्रीवास्तव, अंबिका तिवारी, प्रजापति मिश्रा, सुरेंद्र तिवारी विकास मिश्रा, गणेश पाठक, कृष्णा दुबे, कृष्ण चन्द पाठक सहित मुंबई के विभिन्न क्षेत्रों से आए राष्ट्रीय परशुराम सेना के सदस्य का विशेष योगदान रहा। समाज के प्रबुद्ध जनों और श्रद्धालुओं की सक्रिय भागीदारी से यह आयोजन सफलतापूर्वक सफल रहा। इस महोत्सव ने न केवल धार्मिक आस्था को सुदृढ़ किया, बल्कि सामाजिक एकता और सांस्कृतिक गरिमा को भी उजागर किया। तथा भक्ति, संस्कृति और समाज की एकजुटता को नई ऊंचाई दी।

ऋतिक-राकेश रोशन पहली बार एक साथ पर्दे पर, मोबिल1 के साथ दिखाया 'अनफॉरगेटेबल जर्नीज' का जज्बा

मुंबई/पटना। एक्सॉनमोबिल लुब्रिकेंट्स प्राइवेट लिमिटेड, जो भारत में मोबिल ब्रांड के लुब्रिकेंट्स बेचती है, ने आज अपने अनफॉरगेटेबल जर्नीज कैंपेन की नई विज्ञापन फिल्म लॉन्च की। इस फिल्म में बॉलीवुड सुपरस्टार ऋतिक रोशन नजर आएंगे और इसमें दुनिया के अग्रणी सिंथेटिक इंजन ऑयल ब्रांड मोबिल 1टु को प्रमुखता से दिखाया गया है। यह विज्ञापन ऋतिक के जुनून, भारत जैसे देश के सपने देखने वाले और मेहनती लोगों की सोच, और मोबिल 1 के शानदार प्रदर्शन को एक साथ जोड़ता है। ये तीनों बातें एक समान भावना से जुड़ी हैं, कुछ अलग और बेहतर करने की लगातार चाह।

इस नई फिल्म की खास बात यह है कि इसमें पहली बार ऋतिक रोशन अपने पिता, मशहूर फिल्म निमार्ता और निर्देशक राकेश रोशन के साथ स्क्रीन पर दिखाई दे रहे हैं। ऋतिक की पहली सुपरहिट फिल्म कहो ना प्यार है को 25 साल पूरे हो गए हैं। यह कैंपेन उनके कभी न रुकने वाले जोश और यादगार परफॉर्मेंसेस की तलाश को सलाम करता है।

ऋतिक की यह यात्रा भारत जैसे देश की भी कहानी है, जहां सपने देखने वाले हर चुनौती का सामना करते हैं और मेहनती लोग अपने सपनों को साकार करते हैं। यह उस भारत की भावना को दशार्ता है जो हमेशा आगे बढ़ता है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

प्रयागराज में कोर्ट जा रहे वकील को दिन दहाड़े मारी गोली

◆ तड़पते हुए हुए वकील ने पड़ोसी पर लगाया आरोप

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। प्रयागराज में बदमाशों ने दिन-दहाड़े वकील को गोली मार दी। बाइक सवार तीन बदमाशों ने कोर्ट जा रहे वकील को रोका। इसके बाद सीने में गोली मार दी। आसपास के लोग फायरिंग की आवाज सुनकर पहुंचे तो बदमाश फरार हो गए।वकील को आसपास के लोगों ने अस्पताल पहुंचाया। घटना सोरांव थाना क्षेत्र के कल्याण शाह का पूरा गांव के पास की है। गोली लगने के बाद वकील करीब 20 मिनट तक जमीन पर तड़पते रहे। इस दौरान उन्होंने यह बताने की भी कोशिश की कि गोली किसने मारी है। लोग उनसे उनका नाम और पता पूछते रहे। उन्होंने बताया कि किसी वकील पर आरोप लगाया है। बाइक और मोबाइल वहीं पड़ा था। मौके पर पहुंची पुलिस जांच में जुटी थी।डीसीपी गंगा नगर कुलदीप गुणावत, एसीपी पंकज लवानिया, एसीपी जंग बहादुर के साथ क्राइम ब्रांच की टीम घटनास्थल पहुंची। पुलिस को

पूछताछ में पता चला है कि हमलावर एक बाइक पर तीन लोग आए थे। ओवरटेक कर वकील को रोका। फिर दो गोली मारकर प्रयागराज-प्रतापगढ़ मार्ग पर भाग गए। घर वालों ने बताया कि पड़ोसी के परिवार से जमीन का विवाद काफी दिनों से चल रहा है। परिवार वाले नामजद तहरीर देने की तैयारी में हैं। पुलिस अधिकारियों ने लिखकर देने को कहा है।स्वरूप रानी हास्पिटल के डॉक्टर बद्री विशाल सिंह ने बताया कि अभी मेरे पास पुलिस एक पेशेंट को लाई है जिनका नाम मानसिंह है उनके सीने में दो गन शॉट हैं। एक गोली अभी भी फंसी हुई है उनको ओटी में ऑपरेशन के लिए भेजा गया है। उनकी स्थित भी अभी नाजुक है। ऑपरेशन के बाद ही कुछ कहा जा सकता है।डीसीपी गंगापार कुलदीप गुणावत ने बताया कि दोपहर 12.30 बजे सोरांव के ददौली में गोली मारने की सूचना पर पुलिस पहुंची थी। यहां पर मानसिंह को बाइक सवार दो अज्ञात लोगों ने गोली मार दी थी। घायल को अस्पताल पहुंचाया गया जहां उनका इलाज चल रहा है। जमीन की रंजिश बताई गई है। परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कराया जा रहा है।

'एक राष्ट्र-एक चुनाव' को लेकर भाजपा युवा मोर्चा ने निकाली शोभायात्रा

'एक राष्ट्र-एक चुनाव' से देश का होगा विकासः विद्यासागर सोनकर

मडियाहूं,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। 'एक राष्ट्र एक चुनाव को लेकर भाजपा युवा मोर्चा द्वारा निकाली

शोभा यात्रा और सगोष्टी का आयोजन किया, मुख्य अतिथि पूर्व सांसद विद्या सागर सोनकर ने बोले एक राष्ट्र एक चुनाव से देश का होगा विकास। बता दें मालती सिंह पीजी कॉलेज सभागार में शनिवार को भाजपा युवा मोर्चा की ओर से एक राष्ट्र, एक चुनाव को लेकर गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें पूर्व सांसद विद्या सागर सोनकर ने भाजपा कार्यकताओं को एक राष्ट्र, एक चुनाव की अवधारणा की जानकारी दी। पूर्व सांसद विद्या सागर सोनकर ने कहा एक राष्ट्र, एक चुनाव का मुख्य उद्देश्य लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराना है। इससे चुनावी खर्च में कमी आएगी। साथ ही प्रशासनिक कार्यों में बाधा नहीं आएगी और नीति-निर्माण में निरंतरता बनी रहेगी। युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष अखिल प्रताप सिंह कहां की यदि देश में 5 साल में केवल एक बार ही चुनाव हो तो चुनाव में खर्च होने वाले धन सरकारी कर्मचारी की चुनाव को लेकर व्यवस्था काम हो जाएगी चुनाव आयोग जो 5 साल में कई बार चुनाव करवाता है बार-बार चुनाव होने से सरकारी खजाने पर भार बढ़ता है बार-बार आचार संहिता लगने पर आम जनमानस के जरूरी काम बाधित होते हैं इसलिए भविष्य में आने वाले एक देश एक चुनाव के लिए सरकार द्वारा उठाए जाने वाले कम पर आम जनता भी सहयोग अपेक्षित है।

इस कार्यक्रम में मौजूद रहे ब्रह्मदेव मिश्रा, श्याम दत्त दुबे, जयेश सिंह, पंकज पाठक,अजय सोनकर, जगदीश चौहान अंबरीश सिंह मनोज सिंह शिव शंकर गुप्ता संजीव गुप्ता सहीत तमाम लोग मौजूद रहे।

यादव महासभा के प्रदेश महासचिव का हुआ भव्य स्वागत

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा उत्तर प्रदेश के नवनियुक्त प्रदेश महासचिव कमलेश यादव का नईगंज, चाँदपुर, गुदरीगंज, लालाबाजार, हनुमाननगर, शिवगुलामगंज और लखौवाँ जैसे कई स्थानो पर भव्य स्वागत किया गया। प्रदेश महासचिव कमलेश यादव ने प्रधानमंत्री माननीय नरेन्द्र मोदी जी के द्वारा जातिगत जनगणना करने के सम्बंध में लिए गये निर्णय की प्रशंसा किया। जातिगत जनगणना समाज के सभी वर्गों को प्रतिनिधित्व दिलाने में मील के पत्थर का काम करेगी। साथ ही पाकिस्तानी आतंकवादियों के द्वारा पहलगाम में मारे गये निर्दोष भारतीयों की हत्या पर निन्दा की और पाकिस्तान के खिलाफ कड़ी से कार्यवाही करने की माँग प्रधानमंत्री जी से किया।

यादव महासभा की स्थापना 1924 में किया गया था ये देश का बहुत पुराना संगठन है। 100 साल से लगातार समाज के उत्थान एवं विकास के लिए काम कर रहा है। संगठन को और भी मजबूत करने के लिए ग्राम स्तर पर भी कमेटियों का गठन किया जायेगा। लोगों को शिक्षा की ताकत और तेरही जैसी कुप्रथा के प्रति लोगों को जागरुक किया जायेगा।

इस अवसर पर राकेश यादव, धर्मेन्द्र यादव, संजय यादव, अखिलेंद्र यादव, अनिल दीप चौधरी, शैलेंद्र यादव, अखिलेश यादव, मकरध्वज, विजय यादव, शैलेंद्र यादव, पवन, कन्हैया, प्रेम प्रकाश नाथपुर, सुनील, प्रशान्त आदि सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में मछलीशहर के तहसील सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस का हुआ आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में मछलीशहर के तहसील सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन हुआ। सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी द्वारा जन शिकायतों के निस्तारण के क्रम में ग्राम रामपुर कला की निवासी सावित्री देवी द्वारा खतौनी में गलत नाम दर्ज होने पर शिकायत दर्ज करायी गयी, जिसपर जिलाधिकारी द्वारा लेखपाल को निर्देशित किया गया कि तत्काल खतौनी में नाम संशोधन कराते हुए अवगत कराये, जिलाधिकारी के आदेश के अनुपालन में खतौनी में संशोधन करते हुए खतौनी उपलब्ध करा दी गयी। जिलाधिकारी के समक्ष निकामुद्दीनपुर निवासी कार्तिक पुत्र लालता प्रसाद ने प्रार्थना पत्र के माध्यम से अवगत कराया कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना के तहत लोन देने में देरी की जा रही है जिस पर जिलाधिकारी के द्वारा तत्काल संज्ञान लेते हुए एसबीई शाखा मछलीशहर के प्रबन्धक को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया गया कि 02 दिन के भीतर सभी औपचारिकताओं को पूर्ण करते हुए लोन देना सुनिश्चित करें अन्यथा की दशा में एफआईआर दर्ज करायी जाएगी। जिलाधिकारी के समक्ष ग्राम सलारपुर तहसील मछलीशहर के निवासी लल्लन पुत्र मोहन ने अवगत कराया कि उनकी पट्टा की जमीन को गलत तरीके से दूसरे को वरासत कर दी गयी है जिस पर जिलाधिकारी ने कानूनगो और लेखपाल को निर्देशित किया कि आज ही गांव में जाये, रात्रि विश्राम गांव में ही करें और पंचायत भवन में खुली बैठक कराते हूए पूरी तस्दीक कर प्रकरण का निस्तारण कर अवगत करायें। ग्राम गोवर्धनपुर के रामचन्द्र ने पत्थरगडडी कराने का प्रार्थना पत्र दिया जिस पर जिलाधिकारी ने कानूनगो और लेखपाल को प्रकरण का निस्तारण कर अवगत कराने के निर्देश दिये गये। इस अवसर पर जिलाधिकारी द्वारा सर्वाधिक भूसा दान करने वाले संतोष दूबे, डा0 आर बी चौहान, राजीव सिंह सहित अन्य जिनके द्वारा गो-आश्रय स्थलों में भूसा दान किया गया था उन्हे प्रमाण-पत्र और पौधा देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने पुलिस और राजस्व विभाग को निर्देशित किया कि जमीन विवाद और आपसी विवाद एक ही विषय से सम्बन्धित होते है इस लिए राजस्व विभाग के अधिकारियों और पुलिस विभाग के समन्वय से ही इसका निस्तारण हो सकता है। दोनों पक्षों की समस्याओं को गम्भीरतापूवर्क सुनते हुए शिकायत का निस्तारण करें। उन्होंने राजस्व निरीक्षकों को निर्देशित किया कि 20 पैमाइस से कम पत्थरगड्डी करें तो वेतन आहरण नही किया जाएगा। इस दौरान जिलाधिकारी द्वारा तहसील के समस्त लेखपालों को निर्देशित किया गया कि शिकायतकर्ता की छोटी-छोटी समस्याएँ जिनका तत्काल निस्तारण किया जा सकता है उसके लिए किसी व्यक्ति को परेशान न किया जाये। उन्होंने कहा कि जन शिकायतों का निस्तारण शासन की प्राथमिकता है अतः इसमें किसी भी तरह की लापरवाही या उदासीनता अक्षम्य होगी।सम्पूर्ण समाधान दिवसा में कुल 253 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुये जिसमें 05 प्रार्थना पत्रों का मौके पर निस्तारित कर शेष प्रार्थना पत्रों को सम्बंधित अधिकारियों को हस्तान्तरित करते हुए जल्द से जल्द गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिये गए।इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट सौरभ कुमार, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे। इसी प्रकार अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 रामअक्षयबर चौहान की अध्यक्षता में तहसील केराकत के सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इसी क्रम में अन्य तहसीलों में भी फरियादियों की समस्याओं को सुनते हुए उसके निस्तारण हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया गया।

किशोरी से दुष्कर्म करने वाले को हुई उम्रकैद, लगा पचास हजार का जुर्माना

जौनपुर (उत्तरशक्ति)।जनपद जौनपुर के सुजानगंज क्षेत्र की 16 वर्षीय किशोरी से दुष्कर्म के दोषी राहुल यादव को अपर सत्र न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट उमेश कुमार द्वितीय की अदालत ने शुक्रवार को उम्र कैद व 50,000 रुपये जुमार्ने की सजा सुनाई है।

5 नवंबर 2020 की रात बगीचे व घर में दुष्कर्म का आरोपः वादी के अनुसार, घटना 5 नवंबर 2020 की रात की है। पीड़िता की मां ने आरोपी राहुल यादव के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई, जिसमें उसने आरोप लगाया कि आरोपी ने उसकी बेटी को बहला-फुसलाकर बगीचे में बुलाया और वहां उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद आरोपी ने अपने घर ले जाकर भी दुराचार किया और फिर उसे ननिहाल में छोड़ दिया।दुष्कर्म के दोषी को उम्रकैद की सजा पीड़िता ने घटना के बारे में सारी बाते अपने परिवार को बताया, पुलिस ने पीड़िता का मेडिकल कराया व मजिस्ट्रेट के समक्ष बयान दर्ज हुआ। पुलिस ने विवेचना करके कोर्ट में केस डायरी दाखिल किया। सरकारी वकील ने कोर्ट में गवाहों का बयान अंकित कराया। कोर्ट ने दोनों पक्षों की दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद आरोपी राहुल यादव को दुष्कर्म का दोषी करार देते हुए उसे उम्रकैद की सजा सुनाई और 50,000 रुपये का जुमार्ना भी लगाया है।

बाग में पेड़ में लटका मिला युवक का शव, क्षेत्र फैली सनसनी

धर्मेंद्र कुमार शर्मा, बदलापुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तहसील क्षेत्र के सिंगरामऊ थाना अंतर्गत आने वाले करनपुर गांव में स्थित लाला की बाग में

रस्सी के सहारे पेड़ से लटका एक युवक का शव मिला।सूचना मिलते ही पहुंचे ग्राम वासियों के द्वारा रस्सी काटकर शव को नीचे उतारा गया और इसकी जानकारी सिंगरामऊ पुलिस को दी गई। मृतक युवक की पहचान सूरज चौहान पुत्र प्रदीप चौहान उर्फ बबई के रूप में की गई। मौके पर पहुंची पुलिस के द्वारा शव को कब्जे में लेकर अन्य विधिक कार्रवाई की जा रही है। जबकि घटनास्थल पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई। पुलिस घटना की जांच पड़ताल करते हुए कार्रवाई में जुटी हुई है।

शाहगंज पुलिस ने 3 व्यक्तियों को शांति भंग में किया गिरफ्तार

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। डा0 कौस्तुभ पुलिस अधीक्षक जनपद जौनपुर द्वारा जनपद मे अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे ।अभियान मे अपर पुलिस अधीक्षक नगर जौनपुर आयुष श्रीवास्तव एवं क्षेत्राधिकारी शाहगंज अजीत सिंह चौहान के निर्देशन व निकट पर्यवेक्षण मे थाना शाहगंज पुलिस टीम द्वारा आज दिनांक 03/05/2025 को थाना क्षेत्र के भिन्न-भिन्न स्थानों से शान्ति भंग के दृष्टिगत अन्तर्गत धारा 170/126/135 बी एन एस एस में कुल 03 नफर आरोपी को गिरफ्तार कर सम्बन्धित न्यायालय भेजा जा रहा है। गिरफ्तार आरोपी का नाम, विशंकर राजभर पुत्र झगडू राजभर,गगन राजभर पुत्र दिनेश राजभर, सिन्टू राजभर पुत्र रामदीर राजभर निवासीगण सहांवे थाना शाहगंज जौनपुर।

रफ्तार ने ली एक और जिंदगी, डंपर ने भाई बहन को कुचला, बहन की मौत भाई जख्मी

डॉ.एस.के.मिश्र, वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में हरमन माइनर स्कूल के ठीक सामने दानियालपुर डुबकियां में शनिवार की दोपहर डेढ़ बजे चौबेपुर बाजार से एक कांवेंट स्कूल की 9वीं की छात्रा अंशिका यादव 14 वर्ष छुट्टी होने के बाद अपने भाई की बाइक पर बैठकर घर लौट रही थी कि पीछे से गाजीपुर से वाराणसी की तरफ जा रहे डंम्पर ने कुचल दिया। जिसमें उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर प्रभारी निरीक्षक जगदीश कुशवाहा मय फोर्स के साथ मौके पर शव को कब्जे में लेकर पंचायत नामा कर पोस्टमार्टम रिपोर्ट के लिए भेज दिया। पिता रामअवतार यादव, मां पूनम देवी, साथ रहे घायल भाई अनुज यादव का घटना स्थल पर रो रो कर बुरा हाल था। दो भाई बहनों में छोटी थी। बताया गया है कि पढ़ने में भी अच्छी थी।

साथी शिक्षक के निधन से शिक्षकों में शोक की लहर

रियाजुल हक, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मछलीशहर स्थानीय विकास खंड के कम्पोजिट विद्यालय बामी में सहायक अध्यापक पद पर कार्यरत प्रमोद कुमार का लम्बी बीमारी के बाद शनिवार की सुबह निधन हो गया।उनकी मृत्यु का समाचार सुनते ही शिक्षकों में शोक की लहर फैल गई। कम्पोजिट विद्यालय बामी में शिक्षकों और बच्चों ने दो मिनट का मौन रखकर मृतक की आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।प्रमोद कुमार करीब एक वर्ष से कैंसर से पीड़ित चल रहे थे। जनपद के शिक्षकों ने उनके इलाज में आर्थिक सहयोग भी किया था। कम्पोजिट विद्यालय बामी में वह वर्ष 2013 से सहायक अध्यापक पद पर निरन्तर कार्यरत थे। वह वाराणसी जनपद के हरहुआ विकास खंड के भटौली गांव के निवासी थे। प्रभारी प्रधानाध्यापक ज्योति भूषण सिंह ने बताया कि वह बहुत ही कुशल अध्यापक थे। बच्चे उनसे बहुत लगाव रखते थे। बच्चों को उम्मीद थी कि वह स्वस्थ हो जायेंगे, लेकिन शनिवार को जब यह दुःखद समाचार बच्चों ने सुना तो उनकी आंखों में आसूं छलक पड़े।

कोचिंग से लौटते समय किशोर का अपहरण, 5 के खिलाफ मुकदमा

पुलिस ने छात्र को कराया मुक्त, 2 गिरफ्तार, परिजनों ने ली राहत की सास

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जफराबाद कस्बे के एक कोचिंग सेंटर से पढ़ाई कर लौट रहे 17 वर्षीय छात्र का शुक्रवार शाम बाइक सवार दबंगों ने अपहरण कर लिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस तत्काल सक्रिय हुई और अपहृत छात्र को सकुशल छुड़ाकर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने पांच नामजद और आठ से दस अज्ञात के विरुद्ध मामला दर्ज किया है। मिसिरपुर गांव निवासी अरुण कुमार, जो कस्बे के एक कॉलेज का छात्र है, शुक्रवार को कोचिंग सेंटर से पढ़ाई कर लौट रहा था। इसी दौरान समोपुर गांव के कुछ युवक बाइक से पहुंचे और अरुण को जबरन अपनी बाइक पर बैठाकर अपने गांव ले गए। आरोप है कि वहां छात्र के साथ मारपीट भी की गई।घटना की जानकारी मिलते ही छात्र के पिता ज्ञानप्रकाश, (जो फास्ट कोर्ट में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी हैं,) ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। पुलिस टीम ने समोपुर गांव पहुंचकर छात्र को मुक्त कराया और मौके से दो अभियुक्त जयप्रकाश चौहान व अवनीश चौहान (पुत्रगण श्याम बहादुर चौहान) को हिरासत में ले लिया।छात्र के पिता की तहरीर पर पुलिस ने पांच नामजद और अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ अपहरण और एससी/एसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। घटना की गंभीरता को देखते हुए सीओ सिटी देवेश सिंह भी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।

उधर, आरोपी पक्ष का कहना है कि छात्र ने उनकी लड़की की तस्वीर (डीपी) अपने मोबाइल में लगा रखी थी, जिससे नाराज होकर यह कार्रवाई की गई। सीओ सिटी देवेश सिंह ने बताया कि पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए छात्र को मुक्त कराया और दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। शेष की गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित कर दी गई हैं।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों में अब समर्थ पोर्टल के माध्यम से होंगे प्रवेश

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में संचालित कोर्सों में सत्र 2025-26 में समर्थ पोर्टल के माध्यम से प्रवेश हेतु पंजीकरण प्रारंभ हो गया है। कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में शुक्रवार को कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने परिसर में चल रहे विभिन्न पाठ्यक्रमों में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया के लिए समर्थ पोर्टल पर आवेदन फॉर्म लॉन्च किया। विश्वविद्यालय में पहली बार समर्थ पोर्टल से प्रवेश होंगे। पाठ्यक्रमों की उपलब्ध सीटों के सापेक्ष इच्छुक अभ्यर्थी विश्वविद्यालय के पात्रता परीक्षा के लिए आवेदन कर सकते है।

विश्वविद्यालय में स्नातक स्तर के 20, परास्नातक स्तर के 26 एवं डिप्लोमा के 5 पाठ्यक्रमों में पीयू कैट 2025 के माध्यम से प्रवेश होंगे.

पीयूकैट-2025 के प्रवेश लिए कुलपति ने लांच किया पोर्टल

इस वर्ष 9 नए आधुनिक पाठ्यक्रम भी प्रारंभ हो रहे हैं। जिनमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) हैं। वास्तु शास्त्र में डिप्लोमा, वैदिक ज्योतिष शास्त्र डिप्लोमा, वैदिक कर्मकांड डिप्लोमा, एल.एल. एम., एम.सी.ए इन्टीग्रेटेड जैसे पाठ्यक्रम शामिल हैं। ऑनलाइन आवेदन 10 जून तक स्वीकार किए जाएंगे। समर्थ पोर्टल के माध्यम से छात्र ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन, फीस भुगतान, दस्तावेज अपलोड, मेरिट सूची एवं सीट आवंटन जैसी सभी प्रक्रियाओं को सरल और पारदर्शी रूप से पूरा कर सकेंगे. छात्र हेल्प डेस्क के माध्यम से ऑनलाइन सहायता भी प्राप्त कर सकते हैं। उक्त से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण जानकारी,संचालित विषयों का विवरण एवं उपलब्ध सीटों की विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट vbspu.ac.in पर उपलब्ध है।ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया के लिए शुभारम्भ अवसर पर रजिस्ट्रार महेंद्र कुमार, परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद सिंह, पीयूकैट के अध्यक्ष प्रो. रजनीश भास्कर, समन्वयक प्रो. मिथिलेश सिंह, प्रो. अरुण सिंह, प्रो. प्रमोद यादव, प्रो. गिरिधर मिश्र, नोडल अधिकारी डॉ. आशुतोष सिंह, डॉ. धीरेन्द्र चौधरी, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, डी.आर. बबीता सिंह, अमृत लाल सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

नि:शुल्क चिकित्सा शिविर में सैकड़ों मरीजों का हुआ उपचार

◆ राधा कृष्ण हेल्थ केयर के बैनर तले आयोजित हुआ शिविर

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शुक्रवार को क्षेत्र के अतरडीहा ग्राम में राधा कृष्णा हेल्थ केयर सेंटर के बैनर तले एक नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें सैकड़ों मरीजों को निशुल्क ब्लड प्रेशर, सूगर, खून की जांच सहित स्वास्थ परीक्षण कर नि:शुल्क दवा प्रदान की गई। उक्त मौके पर प्रसिद्ध वरिष्ठ चिकित्सक डाक्टर एस कुमार ने लोगों से अपील करते हुए कहा की गर्मी के मौसम जब भी घर से निकले तो पूरे शरीर को ढक कर निकले ताकि लू और मस्तिष्क ज्वर से बचाव किया जा सके। इसके साथ कोशिश करें अधिक ठंडा पानी पीने से बचे। चिकित्सा शिविर में कई पुलिस कर्मियों ने भी स्वास्थ परीक्षण कराकर दवा लिया। उक्त मौके पर डाक्टर सलमान अंसारी, डाक्टर रमेश यादव, ओपी मिश्रा, रामप्रकाश, अंकिता यादव, ज्योति, मनोकामना सहित दर्जनों गणमान्य उपस्थित रहे।

वाराणसी के इम्तियाज अहमद फोटो देखकर संघ प्रमुख का सिला कुर्ता

मोहन भागवत ने कुर्ता पहन हुए अचंभित, किया इम्तियाज की तारीफ

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर आयोजित अक्षय कन्यादान महोत्सव 2025 में वैवाहिक संस्कार को पूर्ण कराने वाले सभी विद्वान आचार्यों का भव्य सम्मान समारोह शुक्रवार को खोजवा स्थित डॉ. वीरेंद्र जायसवाल जी के आवास पर संपन्न हुआ। इस समारोह में 80 से अधिक आचार्यों को अंगवस्त्र एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के क्षेत्र कार्यवाह डॉ. वीरेंद्र जायसवाल, संपूणानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बिहारी लाल शर्मा, प्रोफेसर रामनारायण त्रिवेदी, डॉ. कमलेश झा सहित अनेक विशिष्ट अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। समारोह में वक्ताओं ने भारतीय संस्कृति, वेद परंपरा और वैवाहिक संस्कारों में आचार्यों की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन भारतीय समाज में सांस्कृतिक चेतना को सशक्त बनाते हैं और सनातन मूल्यों की रक्षा में महत्त्वपूर्ण योगदान देते हैं।सरसंघचालक जी की परंपरागत वेशभूषा–पीली धोती, पीला गमछा, लाल रंग से रँगे चरण, और रेशमी कुर्ता समारोह में चर्चा का विषय रहा।विशेष उल्लेखनीय बात यह रही कि उनका कुर्ता बजरडीहा निवासी इम्तियाज अहमद द्वारा केवल एक फोटो के आधार पर, डॉ. वीरेंद्र जायसवाल जी के मार्गदर्शन में, कुछ ही घंटों में माप लेकर सिल दिया गया।इस समारोह ने भारतीय संस्कृति, वेद परंपरा, और सामाजिक समरसता की अद्भुत मिसाल प्रस्तुत की।

◆ वहीं दूसरी ओर आचार्य उदय भारती जी को किया गया सम्मानित

आवेदन पत्र प्राप्त होने के उपरान्त मुख्यालय द्वारा गठित कमेटी के माध्यम से किया जायेगा चयन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी वी0के0 सिंह ने अवगत कराया है कि उ0प्र० खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए भूर्जी समाज के लोगों को पापकार्न मेकिंग मशीन एवं दोनो पत्तल बनाने वाले परम्परागत एवं स्वरोजगार में रूचि रखने वाले अन्य कारीगरों को उनके जीवन स्तर को ऊँचा उठाने व आत्मनिर्भर बनाने हेतु पापकार्न मेकिंग मशीन एवं मोटराइज्ड दोना मेंकिग मशीन का निःशुल्क वितरण किये जाने हेतु जनपद को विभाग से 10-10 अद्द का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। जिसके लिए ऑनलाइन आवेदन पत्र विभागीय वेबसाइट upkvib.gov.in पर किया जा सकता है। आवेदन पत्र प्राप्त होने के उपरान्त मुख्यालय द्वारा गठित कमेटी के माध्यम से चयन किया जायेगा। चयनित लाभार्थियों/व्यक्तियों को इस योजना के अन्तर्गत पॉपकॉर्न मेकिंग मशीन एवं दोना मेकिंग मशीन का वितरण कराया जायेगा। आवेदन पत्र के साथ पासपोर्ट साईज फोटो, आधार कार्ड, निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, शिक्षा प्रमाण पत्र, राशन कार्ड/परिवार आई0डी0, आयु सीमा-18 वर्ष से 50 वर्ष के मध्य हो। (आनलाइन आवेदन की हार्ड कापी) समस्त प्रमाण पत्रां सहित जिला ग्रामोद्योग कार्यालय मतापुर जौनपुर में 20 मई 2025 तक जमा किया जा सकता है। विशेष जानकारी हेतु मोबाइल नम्बर 7905349119 व 9580503157 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

जिला ग्रामोद्योग अधिकारी वी0के0 सिंह ने कराया अवगत

یسریٰ حکیمی دواخانہ
Regd.No20230048
युसरा हकीमी दवाखाना
हमारी कोशिश, आपका विश्वास...
उपलब्ध सुविधायें-
- गठिया व जोड़ो के दर्द का इलाज
- बवासीर का इलाज बगैर आपरेशन के
- चर्म रोग व पेट की तमाम बीमारियों का इलाज
- बालों का झड़ना, सफेद दाग मुहासे व छाइयों का इलाज होता है ।
- नि:संतान का अचूक इलाज
- शुगर कन्ट्रोल का इलाज

मंगलवार बंदी बाक़ी दिन का सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक
Mob.: 9198443844, 8960275665
नोट- पुरुषों व महिलाओं के गुप्त रोगों से सम्बन्धित सभी प्रकार के रोगों का ईलाज किया जाता है ।
अब हर जुमा को सुबह 10 बजे से 11 बजे तक
सफेद दाग के मरीजों को मुफ्त दवा मिलेगी यह सन् 2025 के अन्त तक जारी रहेगा।
पता- बड़ी मस्जिद, पूर्वी गेट के सामने जौनपुर (उ.प्र.)

आईएएस बनने पर अभिनंदन समारोह आयोजित

कोराव, प्रयागराज। आईएएस बने आलोक कुमार सिंह का भागीरथी गार्डन कोराव में, अभिनंदन समारोह किया गया। आलोक कुमार सिंह पूर्व राजस्व निरीक्षक कोराव प्रभाकर सिंह के पुत्र हैं। आईएएस बनने पर भव्य अभिनंदन समारोह किया गया। इस अभिनंदन समारोह में मुख्य रूप से ओमप्रकाश केसरी नगर पंचायत अध्यक्ष कोराव ,अवधेश कुमार सिंह प्रधानाचार्य सरदार पटेल, प्रभाकर सिंह पूर्व राजस्व निरीक्षक, यदुवीर सिंह प्रवक्ता, गुलाब शंकर मिश्र प्रवक्ता आदि वक्ताओं ने शिक्षा के महत्व पर बल दिया। इस अवसर पर राजमणि पटेल, लाल शास्त्री पटेल, सत्येंद्र सिंह, राजाराम प्रजापति, आशीष पटेल ,देशराज, गया प्रसाद यादव, रामराज सिंह, राधेश्याम प्रजापति आदि सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

मोटोरोला ने भारत में लॉन्च किया एज 60 प्रो

पटना (उत्तरशक्ति)। मोटोरोला ने भारत में अपने नए स्मार्टफोन मोटोरोला एज 60 प्रो को लॉन्च किया है, जो फ्लैगशिप फीचर्स के साथ शानदार एआई अनुभव और दमदार परफॉर्मेंस का बेहतरीन कॉम्बिनेशन पेश करता है। यह फोन सेगमेंट का इकलौता ऐसा डिवाइस है, जिसमें 50एमपी प्लस 50एमपी प्लस 50एक्स एआई ट्रिपल कैमरा सिस्टम दिया गया है, जिससे यूजर्स आसानी से प्रो की तरह फोटो और वीडियो कैप्चर कर सकते हैं। मोटोरोला एज 60 प्रो को डीएक्सोमार्क्स से गोल्ड लेबल प्रमाणन मिला है। इसमें 6000एमएच की दमदार बैटरी, 90वाट टबोर्पावर चार्जिंग और 15वाट वायरलेस चार्जिंग की सुविधा दी गई है। यह स्मार्टफोन मीडियाटेक डाइमेंसिटी 8350 एक्सट्रीम प्रोसेसर से चलता है। मोटोरोला एज 60 प्रो दो स्टोरेज कॉन्फिगरेशन 8जीबी रैम 12जीबी रैम के साथ 256जीबी स्टोरेज में तीन शानदार पैनटोन क्यूरेटेड कलर वैरिएंट्स पैनटोन डैजलिंग ब्लू, पैनटोन शैडो, और पैनटोन स्पार्कलिंग ग्रेप में उपलब्ध होगा। मोटोरोला एज 60 प्रो की कीमत सिर्फ 29,999 रुपये से शुरू होती है और यह फ्लिपकार्ट, मोटोरोलाडॉटइन और देश भर के प्रमुख रिटेल स्टोर्स पर बिक्री के लिए उपलब्ध रहेगा।

रस फैक्टरी में लगी भीषण आग, मालिक और कर्मी की जलकर मौत

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। लखनऊ के सरोजनीनगर में शनिवार शाम को अमौसी स्टेशन रोड स्थित रस फैक्टरी में भीषण आग लग गई। इस बीच ताबड़तोड़ कई धमाके भी हुई। फैक्टरी में मालिक मवैया निवासी अखिलेश व उनका कर्मचारी अबरार फंस गए। दमकल कर्मियों ने 14 गाड़ियों से पांच घंटे में आग पर काबू पा लिया। हादसे में अखिलेश और अबरार की जलकर मौत हो गई। अमौसी स्टेशन रोड पर गंगाविहार में अखिलेश की स्वीटी फूड नाम से चार मंजिला रस फैक्टरी है। पड़ोसी दुकानदारों के मुताबिक शनिवार को शाम साढ़े चार बजे अखिलेश व दस कर्मचारी फैक्टरी में काम कर रहे थे। इस बीच फैक्टरी में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। ऊंची-ऊंची लपटों को उठता देख मालिक और कर्मी घबरा गए। अखिलेश और अबरार आग बुझाने में जुट गए। जबकि नौ अन्य कर्मी शोर मचाते हुए बाहर भाग निकले। घटना से अफरा-तफरी मच गई। अगल-बगल के दुकानदारों ने घटना की जानकारी दमकल और पुलिस को दी। वे भी निजी संसाधनों से आग बुझाने में लग गए। हादसे की जानकारी पर एडीसीपी दक्षिणी अमित कुमावत, एसीपी कृष्णानगर विकास पांडेय, एसडीएम सरोजनीनगर सचिन वर्मा, तहसीलदार, इंस्पेक्टर राजदेव प्रजापति पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। देखते ही देखते आग विकराल हो गई और पूरी फैक्टरी को अपनी चपेट में ले लिया। लपटों की तपिश से ताबड़तोड़ फैक्टरी के छत पर रखे केमिकल और ऑक्सीजन टैंक एक बाद एक फटने लगे। इससे लोगों में दहशत मच गई। धमाके इतने तेज थे कि पड़ोसियों के मकान में लगी खिड़कियों के शीशे चिटक गए। फैक्टरी के बाहर खड़ी एक कार को भी आग ने अपनी चपेट में ले लिया।सीएफओ मंगेश कुमार और एफएसओ सरोजनीनगर दो गाड़ियों और टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंच गए। दमकल कर्मी दो भागों में बंट गए और आग पर काबू पाने की कोशिश करने लगे। मगर आग और विकराल होती चली गई। ऐसे में फायर स्टेशन हजरतगंज, आलमबाग, चौक और पीजीआई से भी 12 गाड़ियां बुलाई गईं। एक टीम हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म पर चढ़कर छत तक पहुंची और आग पर काबू पाने लगी। जबकि दूसरी टीम नीचे रेस्क्यू कार्य कर रही थी।

दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद पांच घंटे में आग को पूरी तरह से बुझा लिया। इसके बाद दमकल कर्मियों को मालिक और कर्मचारियों के फैक्टरी में फंसे होने की जानकारी मिली। दमकल ने स्मोक एग्जॉस्ट से धुआं बाहर निकाला। फिर वीआर सेट पहनकर वे फैक्टरी में दाखिल हुए और दोनों का पता लगाने लगे। इस बीच एसडीआरएफ जवान भी मौके पर पहुंच गए।

प्रेम प्रसंग में मोबाइल का डाटा उड़ाकर युवक ने दी जान

कानपुर (उत्तरशक्ति)। हनुमंत विहार थानाक्षेत्र में प्रेम प्रसंग के चलते युवक ने फोन का डाटा उड़ाकर जान दे दी। शनिवार सुबह घर की कच्ची कोठरी में बड़े भाई ने शव को फंदे से लटकते देखा। घरवालों में रोना पीटना मच गया। आस पड़ोस की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। खाड़ेपुर पुरानी बस्ती निवासी चंद्रपाल का बेटा संदीप गौतम (20) शादी समारोह में तंदूर लगाता था। मां रूपरानी काफी समय से बीमार हैं, घर में दो बहनें भी हैं। बड़े भाई सर्वेश ने बताया कि उसका किसी युवती से प्रेम प्रसंग था। इसको लेकर मोबाइल फोन पर उसका कुछ विवाद भी हुआ। परिजनों के पूछने पर उसने बताने से मना कर दिया था। शुक्रवार रात सभी लोग खाना खाकर सोने चले गए। शनिवार सुबह उसका फोन का डाटा गायब मिला।

धूमधाम से मनाई प्रवासी संदेश की 8 वीं वर्षगांठ, तमाम दिग्गज रहे मौजूद

मुंबई। राष्ट्रीय हिंदी दैनिक प्रवासी संदेश की 8 वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में शिवार गॉर्डन एसी हॉल, मीरारोड पूर्व में आयोजित वार्षिकोत्सव एवं संवाद कार्यक्रम में मीरा-भायंदर के भाजपा विधायक नरेंद्र मेहता ने संपादकीय टीम को बधाई देते हुए कहा कि मैं शुरूआती दौर से इस अखबार का पाठक रहा हूं। और इसमें प्रकाशित सभी खबरों ने मुझे सामाजिक एवं राजनीतिक कार्य करने का प्रोत्साहन और असीम ऊर्जा देने का काम किया है। समाज के हर वर्ग के अंतिम पायदान तक के व्यक्ति के कार्यों, खबरों को न्याय देने का कार्य प्रवासी संदेश ने किया, इसके लिए मैं अखबार के संपादक राजेश उपाध्याय, प्रबंध संपादक अभिज्ञान उपाध्याय समेत उनकी पूरी टीम को अपनी शुभकामनाएं देने के साथ ही हरसंभव मदद का भरोसा दिलाता हूं। मेहता ने कहा कि हम सभी प्रवासी हैं। रोजी-रोटी कमाने तथा सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करने किसी न किसी प्रांत से आए हैं। हमारी जन्मभूमि से लेकर कर्मभूमि तक की सटीक खबरें प्रवासी संदेश के माध्यम से हम सब तक पहुंच रही हैं। यह हमारे लिए गौरव की बात है। इस दौरान बोरीवली के विधायक तथा मुंबई भाजपा के महामंत्री संजय उपाध्याय ने कहा कि मुझे गर्व है कि प्रवासी संदेश की पहली वर्षगांठ जेबी नगर, अंधेरी पूर्व में मनाई गई, और आज 8वीं वर्षगांठ जब आज मीरारोड पूर्व के शिवार गॉर्डन में मनाई जा रही है। उसका साक्षी तथा सहभागी होने का अवसर मुझे प्राप्त हो रहा है। उन्होंने कहा कि मेरे सामाजिक तथा राजनीतिक जीवन की अब तक की यात्रा में प्रवासी संदेश का निरंतर सहयोग और साथ मिला है। इसके लिए इसका संपादन, प्रबंधन, प्रकाशन कर रहे उपाध्याय परिवार का त्रिवार अभिनंदन करता हूं। उन्होंने कहा कि यह महज एक अखबार ही नहीं, अपितु आम जन की बुलंद आवाज भी है। प्रवासी संदेश दैनिक अखबार पिछले 8 वर्षों से जिस तरह बिना किसी रुकावट के निर्बाध गति से पाठकों तक पहुंचता रहा, उसकी जितनी भी तारीफ की जाए कम है। कार्यक्रम में पूर्व विधायक गीता भरत जैन ने प्रवासी संदेश की पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि प्रवासी संदेश का 8 वर्षों का सफर शानदार रहा। उन्होंने कहा कि डिजिटल क्रांति के दौर में अखबारों के समक्ष बड़ी चुनौती उठ खड़ी हुई है। ऐसे दौर में प्रवासी संदेश पाठकों तक खबरें पहुंचाने और जागरूकता फैलाने का काम कर रहा है, जो सराहनीय है। पूर्व राज्यमंत्री, भाजपा के मुंबई उपाध्यक्ष तथा सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था 'अभियान के अध्यक्ष अमरजीत मिश्रा ने कहा कि सबका साथ, सबका विश्वास अर्जित करते हुए प्रवासी संदेश अखबार तथा डिजिटल प्लेटफॉर्म पर नित नई बुलंदियों की ओर अग्रसर है, जो हम सभी हिंदी भाषियों के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि कम संसाधनों के बावजूद प्रवासी संदेश ने जिस तरह से पाठकों के दिल में अपनी जगह बनाई, यह मीडिया जगत के लिए प्रेरणा है। इस बीच श्री सिद्धिविनायक मंदिर ट्रस्ट बोर्ड के कोषाध्यक्ष तथा मुंबई भाजपा के उपाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी ने कहा कि आज प्रवासी संदेश ने महाराष्ट्र के साथ साथ उत्तर भारत के अनेक राज्यों में भी अपना एक बड़ा पाठक वर्ग तैयार किया है। दिल्ली हो या उत्तर प्रदेश, वा अन्य हिंदी भाषी प्रदेश, जब वहां से प्रवासी संदेश में छपी खबरों के लिए फोन मुझे आते हैं, तो सुखद अनुभूति होती है। उन्होंन कहा कि मेरे राजनीतिक और आध्यात्मिक सफर में प्रवासी संदेश का भी अहम सहयोग रहा है। इस मौके पर मुंबई महानगरपालिका के पूर्व उपमहापौर तथा वरिष्ठ भाजपा नेता बाबूभाई भवानजी, मीरा-भायंदर मनपा के पूर्व नगरसेवक तथा शिवसेना के मीरा-भायंदर विधानसभा प्रमुख विक्रम प्रताप सिंह, भारतीय सद्विचार मंच के संस्थापक अध्यक्ष डॉ राधेश्याम तिवारी, वरिष्ठ समाजसेवी दिनेशचंद्र उपाध्याय, आरपीआई के राजस्थान संयोजक डॉ नितिन शर्मा, योगाचार्य भारत भूषण 'भारतेंदु, नागोबा फाउंडेशन के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ भाजपा नेता शंकर विरकर, मुंबई कांग्रेस के महासचिव तथा समरस फाउंडेशन के चेयरमैन डॉ किशोर सिंह, समरस फाउंडेशन के उपाध्यक्ष मानिकचंद यादव, मुंबई प्रदेश कांग्रेस के महासचिव तथा उत्तर भारतीय प्रकोष्ठ के कार्याध्यक्ष एड अवनीश तीर्थराज सिंह, वरिष्ठ समाजसेवी डॉ दीनदयाल मुरारका, भाजपा के महाराष्ट्र प्रवक्ता शैलेश पांडेय, राकांपा (शरदचंद्र पवार गुट) के हिंदी भाषी विभाग के मुंबई अध्यक्ष तथा महाराष्ट्र प्रवक्ता मनीष दुबे, वरिष्ठ भाजपा नेता मोतीभाई देसाई, मीरा-भायंदर मनपा के पूर्व उपमहापौर हसमुख गहलोत, भाजपा के महाराष्ट्र प्रवक्ता शैलेश पांडेय, भाजपा के मीरा-भायंदर विधानसभा प्रमुख एड रवि व्यास, जिलाध्यक्ष किशोर शर्मा, युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष दरोगा पांडेय, उत्तर भारतीय मोर्चा के जिलाध्यक्ष सुरेश सिंह, जिला महामंत्री कमलेश दुबे, संदीप तिवारी, भाजपा के नयानगर मंडल अध्यक्ष आशीष लोढ़ा,

युवा नेता विवेक उपाध्याय, पूर्व नगरसेवक मदन उदित नारायण सिंह, मनोज रामनारायण दुबे, विजय राय, पूर्व नगरसेविका स्नेहा शैलेश पांडेय, सुमन रमेश कोठारी, कुसुम संतोष गुप्ता, भाजपा की उत्तर मुंबई जिला मीडिया प्रभारी नीलाबेन सोनी-राठोड, कांग्रेस के मीरा-भायंदर जिला कार्याध्यक्ष राकेश राजपुरोहित, आईएमए के पूर्व मीरा-भायंदर अध्यक्ष तथा सुप्रसिद्ध हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ विवेक द्विवेदी, परशुराम सेना के संरक्षक अरविंद उपाध्याय, शिवसेना के मीरा-भायंदर उपजिलाप्रमुख संतोष पेंडुरकर, अल्पसंख्यक विभाग के मीरा-भायंदर विधानसभा प्रमुख सलमान हाशमी, भाजपा के मीरा-भायंदर जिला उपाध्यक्ष जटाशंकर पांडेय, जिला सचिव प्रवीण राय, नागेंद्र जायसवाल, भाजपा की जिला प्रवक्ता भावना तिवाड़ी, भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा की महाराष्ट्र प्रदेश सचिव रेनू मल्लाह, महिला मोर्चा की जिला उपाध्यक्ष सुशीला गुप्ता, जिला सचिव मंदा शिंदे, महिला मोर्चा की पूर्व मंडल अध्यक्ष राजेश्वरी शर्मा, वरिष्ठ समाजसेवी लॉयन बाबूलाल शर्मा आदि गणमान्य उपस्थित रहे। सभी अतिथियों का स्वागत प्रबंध संपादक अभिज्ञान उपाध्याय और उनकी टीम द्वारा किया गया।

सर्व प्रजापति शक्ति ट्रस्ट ने झारखंड में जरूरतमंद परिवार की शिक्षा हेतु किया सहयोग

झारखंड(उत्तरशक्ति)। मुंबई से संचालित सर्व प्रजापति शक्ति ट्रस्ट, जो अजय प्रजापति के नेतृत्व में सामाजिक सेवा के क्षेत्र में कार्यरत है, ने एक बार फिर मानवता और सहयोग की मिसाल पेश की है। यह संस्था व्यक्तिगत सहयोग के माध्यम से पूरे देश में जरूरतमंदों की सहायता करती है। हाल ही में झारखंड निवासी बलराम पंडित और सरिता प्रजापति के माध्यम से संस्था को जानकारी मिली कि अरविंद कुमार पंडित, जो एक साधारण परिवार के मुखिया थे, का बीमारी के कारण निधन हो गया। उनके असामयिक निधन से परिवार पर संकट टूट पड़ा, विशेष रूप से उनकी पत्नी और तीन बच्चों (दो बेटियाँ और एक बेटा) की शिक्षा को लेकर चिंता गहराने लगी। इस सूचना के बाद ट्रस्ट ने संवेदनशीलता दिखाते हुए मामले की पुष्टि की और सहयोग हेतु पहल की। देशभर से ट्रस्ट के सदस्यों और सहयोगियों ने एकजुट होकर आर्थिक सहायता जुटाई। यह राशि सीधे पीड़ित परिवार की मुखिया, आशा कुमारी, के बैंक खाते में चेक के माध्यम से प्रदान की गई। संस्था ने इस कठिन समय में परिवार को ?11,000/- की आर्थिक सहायता शिक्षा के उद्देश्य से प्रदान की, ताकि बच्चों की पढ़ाई में कोई बाधा न आए और वे अपना उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित कर सकें। इस सहयोग में विशेष योगदान हरिद्वार के अरुण प्रजापति, नोएडा के पीयूष प्रजापति, उल्हासनगर के दिनेश प्रजापति, और अर्जुन सचदेवा सहित अन्य कई सहयोगियों का रहा, जिन्होंने निरंतर संस्था को समर्थन देकर इस नेक कार्य को संभव बनाया। सहयोग प्राप्त करने के बाद आशा कुमारी ने ट्रस्ट एवं सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस सहायता से उनके बच्चों की पढ़ाई जारी रह सकेगी और उन्हें एक नई आशा मिली है। सर्व प्रजापति शक्ति ट्रस्ट ऐसे ही मानवीय प्रयासों से समाज में बदलाव की दिशा में कार्य कर रहा है और आगे भी जरूरतमंदों की मदद के लिए संकल्पित है।

श्रम के सहारे ही व्यक्ति या संस्थान अपने लक्ष्य की प्राप्ति कर सकता है : ग्लेन जॉसेफ गॉल्स्टेन

पटना (उत्तरशक्ति)। संत डोमिनिक सेवियोज हाई स्कूल, दीघा, पटना के सभागार में श्रमिक दिवस का उल्लासपूर्वक आयोजन किया गया जिसमें विद्यालय के सभी छात्रा-छात्रा, शिक्षकगण, प्रबंध्न के सदस्य तथा चतुर्थ वर्गीय कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस मौके पर विद्यालय के बच्चों ने एक सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा श्रम की महत्ता पर आधरित एक लघु-नाटक की भी प्रस्तुति की।

अपने संबोध्न में निदेशक ग्लेन जॉसेफ गॉल्स्टेन ने कहा कि श्रम के सहारे ही व्यक्ति या संस्थान अपने लक्ष्य की प्राप्ति कर सकता है। श्रम के सहारे ही सृष्टि का निर्माण तथा पुनरूत्थान संभव हो सका है। श्रम के सहारे ही दुनिया चलती है तथा मानव जीवन का उ(ार भी श्रम से ही संभव है इसलिए श्रम की महत्ता तथा उपयोग को आँका नहीं जा सकता। हाल ही में जी-20 देशों के सम्मेलन में भी श्रम को एक विषय के रूप में चुना गया है।

विद्यालय की प्रधनाचार्या श्रीमति ग्लेण्डा गॉल्स्टेन ने भी अपने संबोध्न में सभी कामगारों के कार्य एवं सहयोग की प्रशंसा की तथा सभी को उपहार भी भेंट किया। कार्यक्रम के अंत में उप-प्राचार्या श्रीमति सैण्ड्रा इलिस ने सभी का ध्न्यवाद ज्ञापन किया और उनके स्वस्थ, उज्जवल एवं मंगलमय भविष्य की कामना की।

राजकुमार यादव का किया गया सम्मान

आजमगढ़। आजमगढ़ जिले के ग्राम सराय भादी भदिया में उत्तर यादव युवा संघ के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य राजकुमार यादव का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर कैलाश नाथ यादव के बड़े पिता, राम बलि यादव ने उन्हें अंग वस्त्र पहनाकर सम्मानित किया। साथ ही, राजकुमार यादव को उत्तर प्रदेश के महासचिव पद पर नियुक्ति की शुभकामनाएं दीं।

समारोह में राम बलि यादव ने उत्तर यादव युवा संघ की सामाजिक गतिविधियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि संघ ने अनाथ बच्चों की शिक्षा, विवाह और वार्षिक सम्मान समारोहों के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य किया है। उन्होंने यह भी कहा कि संघ की यह पहल समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत है।

राष्ट्रीय प्रवक्ता कैलाश चंद्रधारी यादव ने भी इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त किए और समाज के लिए संघ द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

माध्यमिक स्कूलों में 84,500 विद्यार्थियों को मिलेगा प्रवेश

आजमगढ़। परिषदीय विद्यालयों में कक्षा 8वीं पास 84,500 विद्यार्थियों को माध्यमिक स्कूलों में प्रवेश दिलाने का अभियान चलेगा। जिले के राजकीय इंटर कॉलेज समेत एड-ड, वित्त विहीन विद्यालयों व उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में 8वीं के विद्यार्थियों को नौवीं कक्षा में शत-प्रतिशत प्रवेश दिलाने का अभियान 15 अक्तूबर तक चलेगा। जूनियर हाईस्कूल से 8वीं पास कर चुके सभी विद्यार्थियों को राजकीय इंटर कॉलेजों में प्रवेश दिलाने के लिए इंटर कॉलेजों के प्रधानाचार्य जूनियर हाईस्कूलों के प्रधानाध्यापकों से समन्वय करेंगे। इस साल 8वीं पास करने वाले विद्यार्थियों की सूची जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के माध्यम से राजकीय इंटर कॉलेजों के प्रधानाचार्यों को उपलब्ध कराई जाएगी। माध्यमिक शिक्षा विभाग ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि कोई भी विद्यार्थी आगे की कक्षा में प्रवेश पाने से वंचित न रहे।

विभाग की ओर से इसके लिए डीआईओएस को कड़े निर्देश दिए गए हैं। बीएसए को भी जिम्मेदारी दी गई है कि 8वीं पास विद्यार्थियों की सूची डीआईओएस को उपलब्ध कराएं, जिससे प्रवेश कराने में कोई दिक्कत न हो। बीएसए की ओर से 84 हजार से अधिक बच्चों का डेटा डीआईओएस को भेजा गया है। कक्षा आठ पास कर चुके छात्र-छात्राओं को अगली कक्षा में प्रवेश के लिए शासन की ओर से निर्देश जारी हुआ है। बीएसए से सूची मांगी गई है। दाखिला भी शुरू हो गया है। प्रयास है कि अधिक से अधिक बच्चे स्कूल में दाखिला ले सकें।

पहलगाम आतंकी हमले के मृतकों को मुंबई में दी गई श्रद्धांजलि

मुंबई। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा किए गए हमले में निर्दोष नागरिकों की निर्मम हत्या ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। यह पाकिस्तान प्रायोजित आतंकी कृत्य अत्यंत निंदनीय है और इसकी हर स्तर पर भर्त्सना की जा रही है। देशवासियों को विश्वास है कि भारत सरकार इस हमले का मुंहतोड़ जवाब देगी।

इसी कड़ी में मुंबई के अंधेरी स्थित सहार रोड पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। सभा में देशभक्ति के नारों–भारत माता की जय, वंदे मातरम और इंकलाब जिंदाबाद–से माहौल गूंज उठा। उपस्थित लोगों ने मोमबत्तियां जलाकर और हस्ताक्षर करके शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस आयोजन में माजी नगरसेविका श्रीमती सुषमा कमलेश राय, समाजसेवक संजू शाह, रितेश राय, श्रद्धा गोरगे (ज्योतिषाचार्य), शिवसेना (शिंदे गुट) समर्थक समाजसेविका मुमताज शेख, उत्तरशक्ति हिंदी दैनिक समाचार के संवाददाता सुखबिंदर सिंह सहित अनेक गणमान्य नागरिकों और सामाजिक कार्यकताओं ने भाग लिया। सभी ने पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट की और देश में शांति एवं सुरक्षा की कामना की।

महाराष्ट्र राज्य की 65वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में वसई तहसीलदार कार्यालय पर ध्वजारोहण

वसई रोड। महाराष्ट्र राज्य की 65वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में वसई तहसीलदार कार्यालय पर मुख्य आधिकारिक ध्वजारोहण समारोह आयोजित किया गया। जिसे वसई विधायक श्रीमती स्नेहा दुबे पंडित ने बड़े उत्साह के साथ संपन्न किया।

इस अवसर पर प्रदेश सचिव अपर्णा पाटील, वसई विधानसभा के विधायक श्रीमती स्नेहा ताई दुबे पंडित, जिला पदाधिकारी शेखर घाडगे, वसई तहसीलदार अविनाश कोष्ठी, नायब तहसीलदार देवकाते और वसई शहर मंडल अध्यक्ष श्रीमती गीतांजलि दारीवाला, वसई पश्चिम मंडल अध्यक्ष आशीष जोशी, वसई पूर्व दक्षिण मंडल अध्यक्ष उदय शेट्टी, श्याम भाऊ पाटकर, शदत्ता भाऊ नर, नंदकुमार महाजन, भूपेश राऊत, एडवोकेट राजेश गायकवाड, श्रीमती सुचिता शेट्टी, श्रीमती प्रीतम राऊत, डॉ. श्रीमती सीमा सिंगर, देवदत्त मेहर, हरीश बेदी सहित अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

इस समारोह में उपस्थित जनसमूह ने एकजुट होकर महाराष्ट्र राज्य की समृद्धि, संस्कृति और ऐतिहासिक धरोहर का उत्सव मनाया।

पवारा नेवाजपूरा में श्री मद्भागवत ज्ञान यज्ञ का आयोजन

-प्रेम चंद मिश्रा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश जनपद जौनपुर विकास खंड मुंगराबादशाहपुर पोस्ट पवारा बाजार ग्राम नेवाजपूरा सराईं के निवासी पूर्व शिक्षक प्रेम चंद्र श्यामधर तिवारी के तत्वावधान में सप्त दिवसीय श्री मद्भागवत ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया गया है। 29 अप्रैल 2025 मंगलवार को भव्य कलश यात्रा के साथ प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम का समापन 6 मई दिन मंगलवार को यज्ञ, हवन व महाप्रसाद के साथ पूणार्हुति होगी। सप्त दिवसीय ज्ञान यज्ञ के कथा वाचक व्यास पीठ पंडित प्रभाकर मणि त्रिपाठी है। सहायक सत्य प्रकाश पाण्डेय सोनभद्र, पंडित शिव मूर्ति त्रिपाठी कौशाम्बी, मुख्य यजमान श्रीमती दिलभावती प्रेम चंद्र श्यामधर तिवारी द्वारा आयोजित श्री मद्भागवत महापुराण का समय दोपहर 2 बजे से 6 बजे शाम तक है। आसपास के क्षेत्रवासियों से निवेदन किया है कि सभी सनातनी बड़ी संख्या में उपस्थित रहकर कथा श्रवण का लाभ लें। श्रीमती दिलभावती प्रेम चंद्र तिवारी व पुत्र वधू कंचन अखिलेश तिवारी मुख्य यजमान है। कार्यक्रम के मुख्य सूत्रधार प्रोफेसर अशोक तिवारी, गीता प्रवीण तिवारी, प्रकाश तिवारी, समर सागर तिवारी एडवोकेट, उमेश तिवारी, श्रीमती रंजू अरविंद मिश्रा, मालती, प्रेमा, रानी, साधना, प्रियंका, प्रेम सागर तिवारी, क्षमा , नीरज, चांदनी, मिथिलेश तिवारी, रेनू, सोनिया, सौरभ, अंजलि, अयरा, अथर्व, ओम, शिवांश सहित कई लोगों कार्यक्रम में शामिल हुए हैं।

परिमैच ने भारतीय रैपर डिवाइन के साथ एक्सक्लूसिव मीट-एंड-ग्रीट सेशन का किया आयोजन

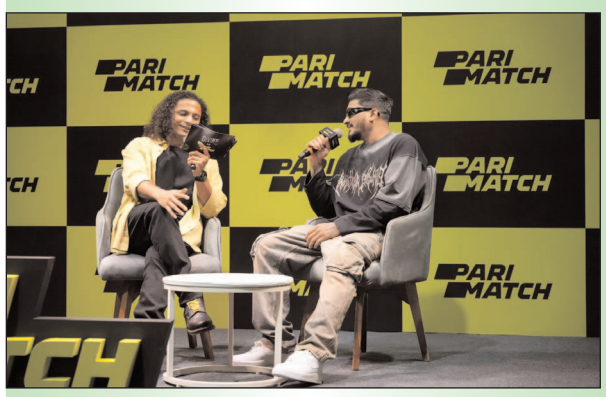

मुंबई। प्रमुख ग्लोबल गेमिंग प्लेटफॉर्म, परिमैच ने अपने ग्लोबल ब्रांड एंबेसडर, भारतीय रैपर डिवाइन के साथ एक एक्सक्लूसिव मीट-एंड-ग्रीट सेशन का शानदार आयोजन किया। मुंबई के ट्रेंडी 'एंटीसोशल' वेन्यू में आयोजित इस इवेंट में इन्फ्लुएंसर्स, परिमैच के वीआईपी यूजर्स और प्रमुख मीडिया एक साथ आकर रोमांचक और ऊजार्वान अनुभव का हिस्सा बने।

35 विशेष मेहमानों के साथ, इवेंट का माहौल गर्मजोशी से भरा हुआ था। डिवाइन अपनी लिरिकल स्टोरीटेलिंग के लिए मशहूर है और मुंबई की जड़ों से जुड़े हुए हैं। उनके एक सेशन से फैन्स और जर्नलिस्ट्स को एक आर्टिस्ट की सोच को समझने का मौका मिला। सेशन के दौरान, डिवाइन ने अपने करियर के उन खास लम्हों के बारे में बात की, जिससे उन्हें यह सफलता हासिल की। उन्होंने यह भी बताया कि सफलता के बावजूद वह कैसे हमेशा जमीन से जुड़े रहते हैं, मुश्किल समय में किस तरह की सोच अपनाते हैं, और उनके हिसाब से मेहनत और किस्मत में से क्या ज्यादा जरूरी है। यह सेशन भारत के सबसे प्रभावशाली म्यूजिक आर्टिस्ट की ज़िंदगी और उनकी मेहनत को जानने का बेहतरीन मौका था।

उद्योगपति रामकरन यादव की मां सीता यादव का निधन

मुंबई। मुंबई के प्रख्यात उद्योगपति तथा उत्तर भारतीय समाजसेवी रामकरन यादव की मां सीता यादव का 80 वर्ष की उम्र में जोगेश्वरी पश्चिम स्थित उनके आवास पर निधन हो गया। वह अत्यंत दयालु तथा धर्मशील महिला थी। वे अपने पीछे तीन पुत्रों रामकरन, राम बहादुर तथा लाल बहादुर के अलावा पौत्र और पौत्रियों से भरा पूरा परिवार छोड़ गई। उनके निधन पर उत्तर भारतीय युवा नेता जेपी यादव, ओटलाल सिंह, सिद्धार्थ खोसा, संतोष यादव, रवि यादव, पप्पू यादव, सुनील दुबे, मुकेश यादव, बबलू यादव, हनीफ कुरेशी, मुन्ना सिंह, उमरसाहब यादव, अनिल यादव समेत अनेक लोगों ने गहरा दुख प्रकट किया है।

विवाह धन से नही दो परिवारों के संस्कार का एक सुन्दर मिलन

राजकुमार सोनी एक बहुत ही सार्थक और सामाजिक चेतना से भरपूर विचारों को दशार्ता है। उन्होंने गंजबा सौदा स्वर्णकार विवाह मंच के माध्यम से समाज को यह समझाने की कोशिश की है कि विवाह सिर्फ पैसों, पैकेज, प्रॉपर्टी का सौदा नहीं है, बल्कि यह दो परिवारों के मूल्यों, संस्कारों और समझ का एक सुंदर मिलन है।

मुख्य बातें जो इस संदेश में स्पष्ट रूप से उभर कर आती हैं:

1. सीधा संवाद जरूरी है -लड़के या लड़की के प्रोफाइल में दिए गए नंबर पर बात करके ही रिश्ते की समझ बनाएं, न कि सिर्फ फोटो देखकर निर्णय लें। 2. धन-संपत्ति से ज्यादा जरूरी हैं विचार और संस्कार झ अच्छे संस्कारी परिवार को वरीयता दें। 3. समय पर निर्णय लें - ज्यादा लालच और हठ से रिश्ते निकलते जाते हैं और उम्र बढ़ती जाती है, फिर समझौता करना पड़ सकता है। 4. बाहरी राज्य से रिश्ता लाने की मजबूरी हो सकती है - अगर स्थानीय रिश्ते समय पर नहीं तय किए गए तो। 5. बच्चों को आजादी और सही दिशा देना जरूरी है- नहीं तो वे खुद फैसले लेने लगेंगे और समाज की मयार्दा टूट सकती है। 6. विवाह दो आत्माओं और दो परिवारों का मिलन है- इसे एक सुंदर अवसर की तरह देखें, न कि व्यापार की तरह। राजकुमार सोनी का यह संदेश समाज में व्याप्त दहेज, दिखावा और भौतिक लालच जैसी बुराइयों के विरुद्ध एक सशक्त अपील है।

विप्र फाउंडेशन बोईसर ने धूमधाम से मनाई भगवान परशुराम जयंती

पालघर(उत्तरशक्ति)। विप्र फाउंडेशन बोईसर द्वारा भगवान परशुराम जयंती बड़े ही श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर बोईसर (पूर्व) स्थित आशादीप विद्यामंदिर हाईस्कूल, महावीर नगर परिसर में विधिपूर्वक पूजन, आरती एवं भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत शंखनाद और वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पारंपरिक ढंग से हुई। विद्यालय परिसर में आयोजित ईश स्तवन एवं भजन प्रतियोगिता में कुल 42 विद्यार्थियों ने भाग लिया। विजेताओं को नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर भगवान विष्णु के छठे अवतार माने जाने वाले भगवान परशुराम के जीवन, उनके आदर्शों, सामाजिक संदेशों और धर्म-संरक्षण की शिक्षा पर विस्तार से चर्चा की गई। उपस्थित जनों ने परशुराम जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए। कार्यक्रम में विप्र फाउंडेशन बोईसर प्रमुख ब्रह्मदेव चौबे, मार्गदर्शक रविकांत पाण्डेय, अमित दुबे, रामभवन तिवारी, सोनू पाण्डेय, विवेक चौबे, शिवप्रताप मिश्र, विमल मिश्र सहित बड़ी संख्या में ब्राह्मण समाज के सदस्य मौजूद रहे। जिले के अन्य क्षेत्रों में भी विभिन्न ब्राह्मण संगठनों, सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्थाओं द्वारा पूजन, आरती, शोभायात्रा और विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें संगठन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के अलावा स्थानीय नागरिकों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया।

रेसलिंग एक्सट्रीम मेनिया ने मुंबई में भव्य उद्घाटन हुआ

मुंबई। भारत की पहली स्वदेशी स्पोर्ट्स-एंटरटेनमेंट प्रो-रेसलिंग कंपनी रेसलिंग एक्सट्रीम मेनिया (हट) ने मुंबई के वर्ली स्थित एनएससीआइ डोम में वेव्स- 2025 यानी वर्ल्ड ऑडियो वीडियो एंड एंटरटेनमेंट समिट के दौरान शानदार आगाज किया। इस ऐतिहासिक अवसर पर महाराष्ट्र के माननीय राज्यपाल सीपी. राधाकृष्णन और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस मौजूद रहे। इनके साथ ही अशिष शेलार और मंगल प्रभात लोढ़ा ने भी समारोह की शिरकत की।

रेसलिंग एक्सट्रीम मेनिया भारत के लिए आपीएल के बाद अगली बड़ी खेल-मनोरंजन क्रांति बनने जा रही है। यह एक अनोखा संगम है खेल, नाटक और कहानियों का। जो पूरी तरह भारतीय दर्शकों की पसंद को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, जिसमें वैश्विक आकर्षण भी शामिल है। रेसलिंग एक्सट्रीम मेनिया के सीईओ ऋषि ने कहा, रेसलिंग एक्सट्रीम मेनिया सिर्फ एक और रेसलिंग कंपनी नहीं, बल्कि एक पहल है। जिसका मकसद भारतीय रेसलिंग प्रतिभा को वैश्विक मंच पर स्थापित करना है। हम एक ऐसा मंच बना रहे हैं जो पूरी तरह भारत में जन्मा हो, लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर का हो। यह भारत का प्रो-रेसलिंग के क्षेत्र में दुनिया को दिया गया जवाब है।

उन्होंने आगे कहा कि यह एक साल भर चलने वाला खेल-मनोरंजन प्लेटफॉर्म होगा, जिसमें दमदार कहानियां, जबरदस्त एथलेटिक प्रदर्शन और सांस्कृतिक जुड़ाव होगा। इसे टीवी, ओटीटी और लाइव इवेंट्स के जरिए पूरे देश में लाया जाएगा। हमारा इरादा है कि हम भारत के सभी प्रमुख शहरों में नियमित लाइव शो करें।

रेसलिंग एक्सट्रीम मेनिया के मुख्य संचालन अधिकारी और पूर्व रेसलिंग एक्सट्रीम मेनिया सुपरस्टार जीत ने कहा कि भारत में हमेशा से पहलवानी की एक गौरवशाली परंपरा रही है। गामा पहलवान से लेकर दारा सिंह तक। मेनिया उसी परंपरा को आज की पीढ़ी के लिए नए रूप में सामने लाने जां रहा है। मैंने डब्लयूडब्लयूई में पूरी दुनिया में प्रदर्शन किया, लेकिन भारत को हमेशा एक ऐसा मंच चाहिए था जो पूरी तरह भारतीय हो और रेसलिंग एक्सट्रीम मेनिया उसी सपने की सच्चाई है। यह मेरा घर है।

जब रेसलिंग एक्सट्रीम मेनिया ने भारत से दूरी बनानी शुरू की सोनी से नेटफिलिक्स की ओर रुख करते हुए और भारतीय रेसलर्स को हाशिए पर डाल दिया। तब भारतीय दर्शक, जो कि क्रिकेट के बाद सबसे बड़ी संख्या में डब्लयूडब्लयूई देखते थे, खुद को खास महसूस करने लगे। रेसलिंग एक्सट्रीम मेनिया इस खालीपन को भरने आया है। यह न केवल भारतीय पहलवानों को एक मंच देता है, बल्कि उन्हें एक सम्मानजनक और उच्च भुगतान वाली करियर की राह भी देता है। सीईओ ऋषि ने कहा कि जैसे आइपीएल ने क्रिकेट को भारतीय रंग दिया, वैसे ही रेसलिंग एक्सट्रीम मेनिया प्रो रेसलिंग को भारतीय बनाएगा। हम नकल नहीं कर रहे, हम नवाचार कर रहे हैं। रेसलिंग एक्सट्रीम मेनिया एक ऐसा मंच है जिसमें वैश्विक पहुंच, भारतीय पहचान और लगातार मनोरंजन का जबरदस्त मेल है। यह भारत के युवाओं को जोड़ने वाला अगला बड़ा खेल आंदोलन बन सकता है, जिसमें भारतीय रेसलर्स को देश में रहते हुए ही अंतरराष्ट्रीय ख्याति हासिल करने का मौका मिलेगा।

जौनपुर: मझौरा के डॉ. अजफर जमाल ने न्यूरोसर्जरी में डीआरएनबी परीक्षा उत्तीर्ण कर रचा कीर्तिमान

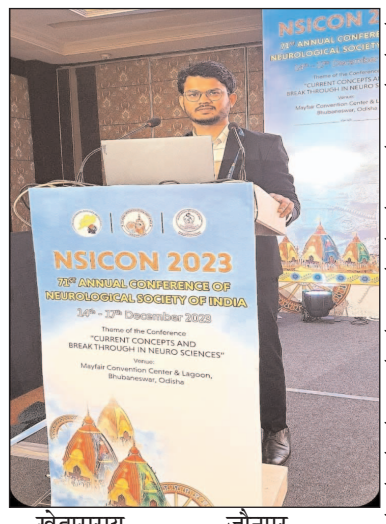

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के मझौरा गांव निवासी डॉ. अजफर जमाल ने न्यूरोसर्जरी में (डॉक्टर ऑफ नेशनल बोर्ड) की अंतिम परीक्षा उत्तीर्ण कर जनपद जौनपुर ही नहीं, पूरे प्रदेश को गौरवान्वित किया है। यह गौरव की बात है कि इस वर्ष उत्तर प्रदेश से मात्र वही एक अभ्यर्थी इस कठिन परीक्षा में सफल हो सके हैं। डॉ.अजफर की प्रारंभिक शिक्षा जौनपुर के प्रतिष्ठित रिजवी लर्नर्स अकादमी में हुई जहां से उन्होंने इंटरमीडिएट तक अध्ययन किया। इसके पश्चात उन्होंने वर्ष 2011 से 2017 तक एसडीएम मेडिकल कॉलेज, धारवाड़ से एमबीबीएस की डिग्री प्राप्त की। तत्पश्चात वर्ष 2018 से 2021 तक येनेपोया मेडिकल कॉलेज, मंगलुरु से एम.एस. (जनरल सर्जरी) किया। इसके बाद उन्होंने डीएनबी जनरल सर्जरी में प्रवेश लिया और 2022-2025 सत्र के अंतर्गत न्यूरोसर्जरी में डीआरएनबी की शिक्षा लाइफ लाइन हॉस्पिटल, आजमगढ़ में पूरी की। उनकी इस ऐतिहासिक सफलता पर परिवार व ग्रामवासी और क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। पिता मो. अरशद (सर सैयद हॉस्पिटल के संचालक), भाई डॉ.फारूक अरशद रेडियोलॉजिस्ट, प्रबंधक अबरार अहमद, मो.असद सिद्दीकी ने प्रसन्नता जताई है।

बीना मालजी द्वारा द कैलेंडर जर्नी द रैंप क्वीन एंड किंग इंडिया. सीजन 8वॉक फॉर इंक्लूसिविटी फेशन शो हुआ संपन्न

मुंबई। अंधेरी वेस्ट लुफ्ट द एयर में बीना मालजी प्रस्तुत करती हैं द कैलेंडर जर्नी का ₹द रैंप क्वीन एंड किंग इंडिया. सीजन 8₹ ₹वॉक फॉर इंक्लूसिविटी₹ फेशन शो का अनोखा कार्यक्रम हुआ संपन्न वीआईपी गेस्ट ऑफ ऑनर में दैनिक मुंबई हलचल के संपादक, अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति के महाराष्ट्र अध्यक्ष और पत्रकार संघ वेलफेयर एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिलशाद एस खान, जिन्हें डायनामिक एडिटर ऑफ द ईयर अवार्ड से सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. योगेश लखानी, ब्राइट आउटडोर मीडिया के मालिक, हमारे आउटडोर मीडिया पार्टनर रहे। जिसमें अंतर्राष्ट्रीय फिल्म और टीवी अभिनेत्री, भारत की सेलिब्रिटी प्लस साइज आइकन, भारत और एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स धारक और द कैलेंडर जर्नी की संस्थापकः बीना मालजी ने 1 मई 2025 को मुंबई में असाधारण लोगों के लिए एक अनोखा रैंप शो .. द रैंप क्वीन एंड किंग इंडिया .सीजन 8 का सफलतापूर्वक आयोजन किया .. लुफ्ट द एयर मुंबई में। इस फेशन शो में दिव्यांग, प्लस साइज, एजलेस, ऑस्टिस्टिक, एलजीबीटीक्यू, बौने, विटिलिगो, विशेष रूप से दिव्यांग और बच्चों, किशोरों और लड़कों के मॉडलों को एक मंच दिया है। और ऐसे लोगों को आगे लाने का ये अनोखा शो किया है। इस शो में तान्या मालजी मेगा शो स्टॉपर और शो निर्देशक थीं, शो ओपनर्स : मिताली रॉय, रुक्शीन मोटाफ्राम, डॉ. अनुपमा और नम्रता त्रिवेदी, शो स्टॉपर : अंशिता शर्मा, किड्स शो स्टॉपर : खयाना बाथवाल, एम्प्रेस ऑफ हार्ट्स विनर : योगीता भाटीया, क्विन ऑफ हार्ट्स विनर : फरजाना मोटाफ्राम, प्रिंसेस ऑफ हार्ट्स : डॉ.अपर्णा जयस्वाल, डचेस ऑफ हार्ट्स : माया मोरदे, किड्स विनर : निश्था जैन, और दक्ष चौहान, टिन्स विनर : जोआन जोफी, विनर इन फीट साईज : रुपाली राव, विनर इन प्लस साईज : अर्चना कुशवाहा, विनर इन एजलेस : हेमल शाह, स्पेशियल विनर : टिंसी अन्ना थोमस, टाईटल विनर : द रैंप क्विन सिजन 8 निहारिका धवन, टाईटल विनर : द रैंप किंग सिजन 8 संदिप कौल, बेस्ट जर्नलिस्ट ऑफ द येर : शोएब म्यानुंर, मित्सु पिटाले, डॉ. अनुपमा, अमृता कुलकर्णी, प्रियदर्शिनी पात्रा और प्रज्ञा गोस्वामी जूरी थीं और बीना मालजी ग्रैंड जूरी थी।

वक्फ से सिर्फ वो मुसलमान परेशान हैं, जो खुद वक्फ बोर्ड की सम्पत्ति पर कब्जा किए बेठे हैं : सरवर

-सुरेश गांधी

वाराणसी। वक्फ बिल से सिर्फ वो मुसलमान परेशान हैं जो खुद वक्फ बोर्ड की सम्पत्ति पर कब्जा किए बेठे हैं. वक्फ बोर्ड ने आजतक मुसलमानों की तरक्की में क्या योगदान दिया? वक्फ बोर्ड ने आजतक कितनी गरीब बच्चियों की शादी करवाई. वक्फ बोर्ड की तमाम दुकानों पर 20 रुपये और 50 रुपये देकर अमीर लोगों ने कैसे कब्जा किया है. ये ऐसे सवाल है, जिसका जवाब देश का हर मुसलमान चाहता है। यह बातें हज कमेटी सदस्य उत्तर प्रदेश सरकार दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री सरवर सिद्दीकी ने कहीं। वे शनिवार को पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि संसद में इस बिल के पास होने से वक्फ माफियाओं से शीघ्र ही मुक्ति मिलेगी. सरवर सिद्दीकी ने बताया कि भारत में मुसलमानो के पास वक्फ की जो जमीनें और सम्पत्ति वगैरह है, उसकी वर्तमान कीमत लगभग साढ़े चौरासी लाख करोड़ रुपए से अधिक है। इसके बावजूद मुसलमानो की स्थिति दलितों से भी बत्तर है। यह बात सच्चर कमेटी ने भी बतायी है। अगर यह बात सत्य है तो वक्फ माफियाओं से वक्फ की संपत्ति को कब्जा मुक्त करने के लिए मुस्लिम संगठनों ने आजतक आवाज क्यों नहीं उठाई. वक्फ बोर्ड के पास देश की तीसरी सबसे बड़ी सम्पत्ति होने के बावजूद सड़क पर घूमने वाला हर चौथा भिखारी मुस्लिम ही क्यों है. उन्होंने कहा कि जब वक्फ की संपत्ति पर अल्लाह के अलावा किसी का अधिकार नहीं तो वक्फ माफियाओं का कैसे हो गया. वक्फ बोर्ड ने आजतक अपनी आमदनी और खर्च को सार्वजनिक क्यों नहीं किया है. उन्होंने कहा कि भारत में सत्तर प्रतिशत मुसलमान गरीबी रेखा से नीचे है। जिन मुसलमानो के पास वक्फ के रूप में साढ़े चौरासी लाख करोड़ की सम्पत्ति हो उसकी इतनी दयनीय स्थिति हो। वक्फ सम्पत्तियो पर वक्फ माफियाओं का कब्जा है ये शिया वक्फ बोर्ड और सुन्नी वक्फ बोर्ड पर कब्जा जमाए बैठे हैं और इन बोर्ड में इनके ही आदमी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में वक्फ बोर्ड संशोधन देश के गरीब कमजोर मुसलमानो के हित मे है। वक्फ सम्पत्तियो को तथाकथित धनाढ्य मुसलमानो जो अवैध कब्जा कर रखा है उससे मुक्ति मिलेगी। और गरीब मुसलमानो के हित में भी है।

मुंबई डीसीपी सौरभ त्रिपाठी से डॉ दयानंद तिवारी ने की शुभेच्छा भेट

मुंबई। (उत्तर शक्ति)। महाराष्ट्र पुलिस के भारतीय प्रशासनिक में मुंबई पुलिस के डीसीपी पद पर कार्यरत सौरभ त्रिपाठी से महाराष्ट्र पुलिस मुख्यालय में मुंबई भाजपा के प्रवक्ता एवं महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य भारती के अध्यक्ष प्रो. दयानंद तिवारी सदीक्षा भेट किया। इस अवसर पर मां विंध्यवासिनी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं उत्तर भारतीय समाज के प्रमुख नेता भरत भाई शुक्ला, समाजसेवी रमेश शुक्ला तथा प्रेम त्रिपाठी उपस्थित रहे। बता दें सौरभ त्रिपाठी एक सरल सौम्य मिलनसार व्यक्ति है। अपने पद की गरिमा को कायम रखते हुए देश की सेवा में सदैव तत्पर है। डॉ दयानंद तिवारी भेट के दौरान आपसी सौहार्द, उत्तर भारतीय समाज के योगदान, साहित्यिक-सांस्कृतिक विषयों एवं युवाओं में विधि एवं सुरक्षा व्यवस्था के प्रति जागरूकता बढ़ाने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया।

ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि लालगंज ने अग्नि पीड़ित परिवार का किये आर्थिक मदद

सिधौना, आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। आज ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि लालगंज उद्धव सिंह उर्फ सोनू सिंह सिधौना ग्राम निवासी अजय राम के घर जाकर उनको और उनके पूरे परिवार को सांत्वना दिए। बताते चले की मेहनाजपुर थाना के अंतर्गत सिधौना ग्राम निवासी अजय राम का घर एवं आजीवन की कमाई हुई संपत्ति 24 अप्रैल को अग्नि में जलकर राख हो गया जो भी इस दृश्य को देखा तो लोगों ने उनके और उनके परिवार के प्रति सहानुभूति दिखाते हुए पूरे पीड़ित परिवार का कुछ न कुछ सहायता किए। अजय राम की पुत्री का विवाह भी 30 अप्रैल को है। आज लालगंज ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि उद्धव सिंह उर्फ सोनू सिंह ने मौके पर पीड़ित परिवार के आवास पर जाकर व्यक्तिगत आर्थिक सहयोग किए एवं मौके पर ही लालगंज खंड विकास अधिकारी आलोक कुमार सिंह ,लेखपाल ,सेक्रेटरी प्रधान को फोन करके कैटल सेट बनवाने का आदेश दिए। आपको बता दे की अग्निकांड के दिन से ही समाजसेवी वैभव सिंह हैप्पी ने पीड़ित परिवार को कई प्रकार से सहायता देने का कार्य कर रहे हैं। उक्त अवसर पर गगन सिंह, राम प्रसाद मिश्रा अनुज सिंह ग्राम प्रधान शेखपुर बछौली, पत्रकार मुहम्मद आरिफ , बबलू सिंह , डॉ .रुस्तम अंसारी, श्याम विश्वकर्मा, शाहबाज अंसारी, इत्यादि लोग मौके पर उपस्थित रहे।

ट्रैक्टर की चपेट में आने से पूर्व महिला ग्राम प्रधान की मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सरपतहां थाना क्षेत्र के असैथापट्टी गांव के पास ट्रैक्टर की चपेट में आने से पूर्व महिला ग्राम प्रधान की मौत हो गई। घटना शनिवार सुबह की है जब थाना क्षेत्र के अतरडीहा गांव की पूर्व प्रधान सीतापति (50) पत्नी श्याम अवध अपने भतीजे के साथ अम्बेडकर नगर जनपद अन्तर्गत जलालपुर थाना क्षेत्र के शाहपुर गांव स्थित अपने मायके से घर आ रही थी।बताया जाता है कि उक्त स्थान पर सामने से ईंट लादकर आ रहे ट्रैक्टर से बाइक की टक्कर होने से वह नीचे गिर गई। जबकि बाइक चला रहा भतीजा नगेन्द्र सड़क के किनारे जा गिरा ट्रैक्टर के नीचे आ जाने से पूर्व प्रधान सीतापति की घटनास्थल पर हीं दर्दनाक मौत हो गई जबकि भतीजा मामूली रूप से घायल हो गया। घटना के बाद ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते हीं परिवार में कोहराम मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी। पूर्व प्रधान की मौत से गांव में शोक की लहर दौड़ पड़ी। पुलिस ने मृतका के पुत्र की तहरीर पर मुकदमा पंजीकृत कर शव को अन्त्यपरीक्षण हेतु भेज दिया। थानाध्यक्ष अमित सिंह ने बताया कि ट्रैक्टर को कब्जे में लिया गया है,मुकदमा पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

वक्फ के नाम पर सियासी पार्टियां लोगों को बरगलाने का काम कर रही हैं : पुष्पराज सिंह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी जौनपुर के जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने पत्रकारों से वक्फ कानून की खूबियां बताईं। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि वक्फ बोर्ड के नाम पर भूभाफियों ने जमीनों पर कब्जा किया ऐसी जमीनों पर अब सरकार मुस्लिमों के बच्चों के लिए स्कूल, कॉलेज और अस्पताल बनाएगी। जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने कहा कि वक्फ सुधार जन जागरण अभियान 2025 को देशभर में शुरू करने का उद्देश्य यह है कि इसका कुछ तत्वों के द्वारा दुष्प्रचार किया जा रहा है कुछ लोग गुमराह करने का काम कर रहे हैं। जहां तक वक्फ का विषय है अक्सर ये नैरेटिव फैलाने का प्रयास किया जा रहा है कि ये मुसलमान समुदाय के खिलाफ है जबकि वास्तविकता और हकीकत यह है कि यह मुसलमान समुदाय के हक में ही लाया गया है।

उन्होंने आगे कहा कि वक्फ कानून से सामान्य नागरिकों के साथ ही सरकारी संपत्तियों की रक्षा होगी।भूमाफियायों ने वक्फ बोर्ड की आड़ में जमीनों पर कब्जा किया था अब इन जमीनों का इस्तेमाल मुसलमानों के विकास में किया जाएगा इससे भारत के विकास की गाथा आगे बढ़ेगी। कानून को बहुत सरल तरीके से बनाया गया है जौनपुर में सरकारी जमीनों पर वक्फ बोर्ड के दावों के संबंध में कहा कि प्राथमिक जांच में कुछ संपत्तियां सामने आईं हैं। जांच के बाद राजस्व परिषद इस पर निर्णय लेगा कुछ लोग सुप्रीम कोर्ट में गए लोगों ने कहा कि इससे हमारे अधिकार छिन जाएंगे जबकि इससे किसी का अधिकार नहीं छिनने वाला है। वक्फ बिल में गैर मुस्लिम के शामिल होने के सवाल पर उन्होंने कहा कि अभी तक वक्फ बोर्ड में मुस्लिम ही थे विसंगतियों को दूर करने के लिए सरकार ने बोर्ड में हर समुदाय के लोगों के रहने का प्रावधान किया है।

उन्होंने कहा कि वक्फ कानून का मूल मकसद आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद लोगों की सहायता करना है। सालों तक इसका केवल दुरुपयोग हुआ है साल 1954 में वक्फ कानून अस्तित्व में आया था लोगों ने अपनी संपत्ति गरीबों और जरूरतमंदों के लिए दान कर दी इस कानून का लाभ वास्तविक हकदारों को न मिलकर संपन्न लोगों को मिला मौजूदा सरकार ने जो वक्फ कानून बिल तैयार किया है वह मुस्लिम समाज को उनका वास्तविक हक दिलाने की दिशा में एक ठोस कदम है। अब भाजपा के कार्यकर्ता व वरिष्ठ पदाधिकारी क्षेत्र में जाकर वक्फ कानून की जानकारी देंगे मुस्लिम समाज के लोगों को जागरूक करेंगे।

जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने कहा कि वक्फ का अर्थ होता है समर्पित कर देना समाज के कुछ विद्वानों का मकसद था कि जो इस समुदाय के पिछड़े लोग है उनका विकास हो। और नतीजा यह निकला कि आज भी देश में 31% मुस्लिम समुदाय के लोग गरीबी रेखा से नीचे हैं इसके विपरीत जो वक्फ की प्रॉपर्टी है उसके 80% पर कोई ना कोई भ्रष्टाचार का आरोप है जबरन कब्जा करने का आरोप है कहीं कुछ एक लोगों ने वक्फ का प्रावधान का इस्तेमाल करके अपनी जायदाद और अपनी प्रॉपर्टी बड़े-बड़े मॉल और होटल बनाने का रास्ता ढूंढ लिया।

उन्होंने आगे कहा कि लोक सभा में वोटिंग से वक्फ में संशोधन कानून को लाया गया है वक्फ में पहले भी संशोधन हो चुका है और वक्फ को लेकर पहले भी कुछ बिन्दु जोड़े गए थे। लेकिन कांग्रेस इसको लेकर देश में भ्रम फैलाने का काम कर रही है। दान की गई जमीन के रख रखाव के नाम पर मुतल्वी ने कब्जा कर लिया आठ लाख एकड़ से अधिक जमीन में 70 प्रतिशत से अधिक वक्फ की जमीन पर कोठी, होटल आदि बनवाकर कब्जा किया गया। मुस्लिम बस्तियों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में अशिक्षा अधिक है वक्फ बोर्ड में गरीब परिवारों के साथ छल हुआ सच्चर कमेटी ने भी अवैध कब्जे की बात को माना था लखनऊ में इस तरह की जमीनें बहुत हैं जिस पर वक्फ अपना दावा कर रहा है।

सत्व सुकुन लाइफकेयर को राइट्स इश्यू के लिए बीएसई से सैद्धांतिक मंजूरी

मुंबई। घरेलू होम डेकोर और विभिन्न सुगंध उत्पाद बनाने वाली कंपनी सत्व सुकुन लाइफकेयर लिमिटेड (बीएसईः 539519) को अपने 49.50 करोड़ रुपए के प्रस्तावित राइट्स इश्यू के लिए बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) से सैद्धांतिक मंजूरी मिल गई है। कंपनी को यह मंजूरी 27 मार्च 2025 को मिली। सत्व सुकुन लाइफकेयर लिमिटेड कंपनी विशेष रूप से कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने, व्यापार विस्तार का समर्थन करने और मौजूदा सहायक कंपनियों में निवेश करने के लिए इस राइट्स इश्यू से शुद्ध आय का उपयोग करने का इरादा रखती है। इसके अलावा, फंड का उपयोग व्यवसाय विस्तार और विविधीकरण के लिए नई सहायक या सहयोगी कंपनियों को बनाने या अधिग्रहण करने या उच्च विकास क्षमता वाली कंपनियों में निवेश करने के लिए किया जाएगा।सत्व सुकुन लाइफकेयर लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर मीत ब्रह्मभट्ट ने कहा कि ह्लराइट्स इश्यू के लिए बीएसई से सैद्धांतिक मंजूरी प्राप्त करना वास्तव में हमारे लिए एक माइलस्टोन है। हम अपनी बाजार स्थिति को मजबूत करना जारी रखेंगे और बर्नर मैन्युफैक्चरिंग में नवाचार को बढ़ावा देंगे। इस इश्यू से प्राप्त आय का उपयोग रणनीतिक रूप से हमारी कार्यशील पूंजी को मजबूत करने, व्यापार विस्तार का समर्थन करने और मौजूदा और संभावित सहायक कंपनियों में निवेश करने के लिए किया जाएगा। हमारे प्रीमियम सुगंध और घरेलू सजावट उत्पादों की मांग लगातार बढ़ रही है। इसके अलावा, यह पूंजी निवेश हमें परिचालन बढ़ाने, उत्पाद नवाचार बढ़ाने और बाजार में अपनी उपस्थिति का विस्तार करने में सक्षम बनाएगा। सत्व सुकुन लाइफकेयर ने दिसंबर-2024 को समाप्त नौ महीने की अवधि के लिए मजबूत वित्तीय प्रदर्शन किया। जिसमें कंपनी की आवक में 65% की वृद्धि हुई और शुद्ध लाभ में 126% की वृद्धि हुई, जो इसकी परिचालन दक्षता को दशार्ता है। सत्व सुकुन लाइफकेयर नए अवसरों का लाभ उठाने, अपने डिजिटल पदचिह्न का विस्तार करने और सभी हितधारकों को मूल्य प्रदान करने पर केंद्रित है। कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने हाल ही में नई और मौजूदा सहायक कंपनियों में 3,500 लाख रुपए का निवेश को मंजूरी दी है और व्यवसाय विस्तार के लिए 500 लाख रुपए आवंटन को भी स्वीकृत किया है।